रांची, सोमवार

27.07.2026

वर्ष : 11, अंक : 235, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

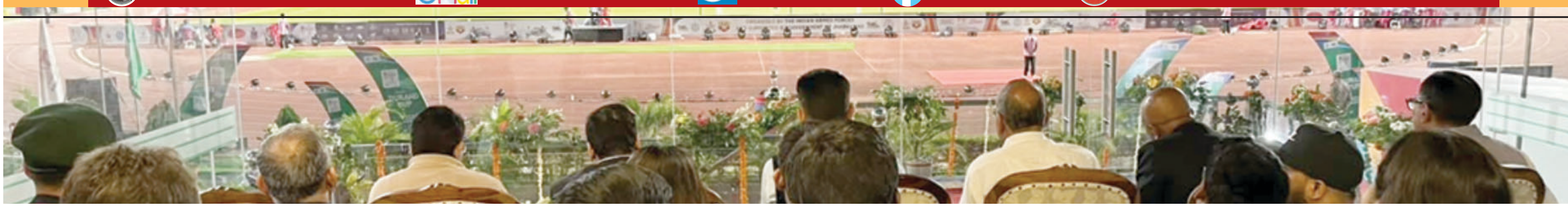

रांची में डूरंड कप का पहली बार हुआ उद्घाटन, सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूनार्मेंट डूरंड कप 2026 का उद्घाटन मैच सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से रविवार को संपन्न हुआ।

रांची में पहली बार इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट की मेजबानी के अवसर पर खेल विभाग एवं जिला प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन स्टेडियम में मौजूद रहकर लगातार मॉनीटरिंग करते रहे।

सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती, प्रवेश-निर्गमन द्वारों एवं दर्शक दीघाओं में सघन निगरानी रखी गई।

यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, चिकित्सा सेवाएं (एम्बुलेंस एवं प्राथमिक चिकित्सा केंद्र), स्वच्छता, पेयजल एवं अग्निशमन दल की सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं दर्शकों के अनुकूल वातावरण में संपन्न हुआ।

जमशेदपुर एफसी ने डिफेंडर्स एफसी को 05-0 से हराया

रांची। एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूनार्मेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का भव्य आगाज रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में रविवार को हुआ। इस टूनार्मेंट का उद्घाटन झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार और राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने किया। इस मौके पर स्टेडियम में फुटबॉल प्रेमियों में गजब का जोश और उत्साह देखने को मिला। रांची में ग्रुप सी के मैच खेल जा रहे हैं।

उद्घाटन मैच में जमशेदपुर फुटबॉल क्लब (जेएफसी) और श्रीलंका आर्मी की डिफेंडर्स फुटबॉल क्लब (डीएफसी) की भिड़ंत हुई। इस रोमांचक मुकाबले में जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए श्रीलंका आर्मी के खिलाफ 05-0 से एकतरफा जीत दर्ज की।

1888 में पहली बार डूरंड कप का आयोजन शिमला में हुआ था। इतने वर्षों में यह पहला मौका है जब रांची में इसका आयोजन हो रहा है। रांची में डूरंड कप को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। डूरंड कप के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की एंट्री मुफ्त रखी गई है। सुरक्षा जांच के बाद ही दर्शकों को अंदर जाने की अनुमति मिली। आयोजन समिति और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। सुरक्षा को लेकर लगभग दो हजार से अधिक जवानों की तैनाती की गयी है। एसएसपी राकेश रंजन लगातार सुरक्षा की मानिटरिंग कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में भारतीय सेना के जवानों ने अपनी अनुशासन, साहस और शौर्य का शानदार प्रदर्शन किया। हेलीकॉप्टर शो और सेना की प्रस्तुती ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

अमरनाथ यात्रा: 19वें जत्थे में 4,474 तीर्थयात्री जम्मू से बालटाल के लिए रवाना

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4,474 तीर्थयात्रियों का 19वां जत्था कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर में बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार जत्था सुबह 2:42 बजे 166 वाहनों में रवाना हुआ जिनमें 93 बसें, 26 मिनी-बसें और 47 हल्के मोटर वाहन शामिल थे। पहलगाम रूट के लिए कोई जत्था नहीं भेजा गया। इस जत्थे में 3,531 पुरुष, 785 महिलाएं, 96 साधु, 51 साध्वियां, 10 बच्चे और एक ट्रांसजेंडर तीर्थयात्री शामिल है। लगातार बारिश के कारण एनएच-44 पर कई संवेदनशील जगहों पर भू-स्खलन, कीचड़ खिसकने और पत्थर गिरने की घटनाओं के बाद यात्रा छह दिनों तक रुकी रही। और जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग भी तीन दिन बंद रहा। शुक्रवार को सड़क को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया जिससे शनिवार को यात्रा फिर से शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। बालटाल बेस कैंप तक तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस काफिले को ले जाया गया है।

युवा देश की चुनौतियों और समाधानों से जुड़े, बनाए भविष्य को उज्जवल : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 के प्रतिभागियों के साथ संवाद किया और उनके अनुभव जाने। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश का युवा विकसित भारत की ऊर्जा है और उसका सबसे बड़ा लाभार्थी है। ऐसे में युवा शक्ति अगर देश की चुनौतियों और समाधानों से सीधा जुड़े तो देश का भविष्य निश्चित तौर पर उज्जवल होगा।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के करीब 250 जिलों के युवाओं से जुड़े। उन्होंने कहा कि देश के युवा के जमीन से जुड़ने से विकसित भारत के विजन

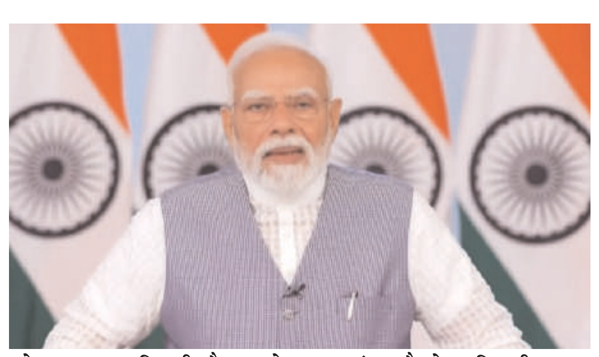

को व्यापकता मिलती है। इससे उनमें देश के लिए जीने और कुछ करने का संकल्प मजबूत होता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने देश के सीमावर्ती गांवों को प्रथम गांव मानकर वहां सुविधायें पहुंचाने का काम किया है। इन गांवों में विकास की आकांक्षा और देशभक्ति की भावना बहुत ज्यादा है। कुछ समय पहले तक सीमावर्ती गांवों को अंतिम गांव मानकर उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। वहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। आज यहां बेहतर कनेक्टिविटी है और पर्यटन फल-फूल रहा है।

उल्लेखनीय है कि विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का आयोजन दो चरणों में 4 जून से 30 जून 2026 तक किया गया। इसमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट गांवों को शामिल किया गया। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 400 से अधिक युवा प्रतिभागियों का चयन एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तीन लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, प्रतिभागियों ने स्थानीय समुदायों के साथ रहकर स्वच्छता अभियान, सरकारी योजनाओं पर जागरूकता अभियान, युवा सम्मेलन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान, लघु पंचायत मॉडल सिमुलेशन, स्थानीय कारीगरों के साथ बातचीत और रणनीतिक महत्व के संस्थानों का दौरा जैसी गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य, सांस्कृतिक विरासत और विकास संबंधी आकांक्षाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया साथ ही सामुदायिक भागीदारी, राष्ट्रीय एकता और सीमावर्ती गांवों के रणनीतिक महत्व की गहरी समझ को बढ़ावा दिया।

झारखंड में मौसम साफ, बढ़ी उमस और गर्मी, 30 जुलाई तक गर्जन व वज्रपात का येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में शनिवार से मौसम साफ बना हुआ है। बादलों के छंटने और तेज धूप निकलने से तापमान के साथ-साथ उमस में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रविवार को रांची में पिछले 24 घंटे के दौरान आर्द्रता (ह्यूमिडिटी) 93 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई, जिससे लोगों को दिनभर चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 30 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक मानसूनी गतिविधियां पूरी तरह समाप्त नहीं होंगी। राज्य के अलग-अलग जिलों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले मैदानों में नहीं रहने, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे शरण नहीं लेने तथा सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। किसानों और खुले क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 23 मिलीमीटर वर्षा सिमडेगा जिले में दर्ज की गई। वहीं तापमान के लिहाज से डाल्टेनगंज सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर लातेहार में न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। इससे स्पष्ट है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में मौसम की स्थिति अलग-अलग बनी हुई है।

प्रल्हाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को नए शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें श्री धर्मेंद्र प्रधान के पद से त्यागपत्र के बाद शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया था।

एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और श्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। श्री जोशी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों का नेतृत्व भी संभालते रहेंगे। श्री प्रधान का इस्तीफा कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में देश भर में फैले

विरोध प्रदर्शनों के बाद आया है। इनमें प्रदर्शनकारी नीट परीक्षा पत्र लीक से जुड़े आरोपों को लेकर उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे थे। परीक्षा रद्द होने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने सहित अन्य मांगों पर सरकार द्वारा सहमति जताए जाने के बाद सीजेपी ने शनिवार को अपना आंदोलन वापस ले लिया।

असम: कछार में इंडस्ट्रियल यूनिट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट, चार मजदूरों की मौत, कई अन्य घायल

एजेंसी

कछार (असम)। असम के कछार जिले में रविवार को एक औद्योगिक इकाई में एलपीजी सिलेंडर में हुए विस्फोट में कम से कम चार मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा उधारबंद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पानग्राम स्थित खादी रोड इंडस्ट्रीज में हुआ। शुरूआती जानकारी के अनुसार, एलपीजी सिलेंडर में हुआ विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका दहल उठा। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचावकर्मियों ने घायलों को मलबे और प्रभावित क्षेत्र से निकालकर तत्काल इलाज के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की टीम गंभीर रूप से घायल मजदूरों का उपचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए पुलिस ने फैक्ट्री के मुख्य प्रवेश द्वार को सील कर दिया। कछार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। मृतक मजदूरों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में एलपीजी सिलेंडर फटना हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों और सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही हुई या नहीं, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही मृतक और घायल मजदूरों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी जारी है।

इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि सुरक्षा मानकों में लापरवाही या किसी अन्य प्रकार की जिम्मेदारी तय होती है, तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मन की बात: प्रधानमंत्री बोले मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन की संस्कृति निरंतर बढ़ रही है। उन्हें विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपनी रूचि दिखाएंगे और भारत का परचम लहराएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज मन की बात के 136वें एपिसोड में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का सकारात्मक परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट ह्यविक्रम-1ह्न के

सफल प्रक्षेपण ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं की प्रतिभा, नवाचार, कौशल और धैर्य का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जीव विज्ञान ओलंपियाड में भी सभी प्रतिभागियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे जीवनभर युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते रहे। उन्होंने आगामी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया।

कारगिल विजय दिवस पर प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कहा कि ये दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने वीर जवानों को याद करने के साथ उनकी विजयगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाता भी है। इस संबंध में उन्होंने ह्यशौर्य विजय यात्राह्न को याद किया और कहा कि 14 जुलाई को दिल्ली के राष्ट्रीय समर समारक से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने सैनिकों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग में भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौ-सेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल होना, डीआरडीओ ने पिनाका लॉग रेंज गाइड रोकेट का सफल परीक्षण देश की आत्मनिर्भरता की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने पानी की हर बूँद बचाने की अपील करते हुए कहा कि हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें। उन्होंने इस संबंध में कुछ उदाहरण दिए।

खेल जगत की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने पी.वी. सिंधु को जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर बधाई दी। साथ ही, लॉर्ड्स में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली टेस्ट जीत को ऐतिहासिक बताते हुए इसे देश की नारी शक्ति की बड़ी उपलब्धि बताया।

सीतारमण ने कहा, आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को आयकर अधिकारियों से कहा कि वे आम जनता को दफ्तरों के चक्कर न कटवाएं और बिना अनावश्यक देरी के उन्हें समय पर और संवेदनशील सेवाएं प्रदान करें।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला आयकर सिंधु भवन के उद्घाटन अवसर पर आयकर विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकने पर मजबूर नहीं होना चाहिए। सीतारमण ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया।

सीतारमण ने कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए जरूरी अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं तो उन्हें आम नागरिकों की समस्याओं का भी बेहतर ढंग से एहसास होना चाहिए। वित्त मंत्री ने सरकारी विभागों की सुस्त कार्यशैली पर चिंता जताते हुए कहा कि इसी कारण सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर नया भवन बनाया गया है, वह वर्ष 1973 से आयकर विभाग के पास थी, इसके बावजूद उस पर अवैध कब्जे हो गए, जो प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है।

साधु के भेष में चला रहा था गांजा तस्करी का नेटवर्क, सप्लायर समेत दो तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साधु के भेष में गांजा तस्करी का नेटवर्क संचालित करने वाले मुख्य सप्लायर समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से कुल 7.8 किलोग्राम गांजा, गांजा से भरे 60 प्री-रोल्ड सिगरेट, पैकिंग सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, दो मोबाइल फोन, 8,900 रुपये नकद, बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पैकेट और गांजे के बीज बरामद किए हैं। जब्त गांजे की अनुमानित बाजार कीमत करीब चार लाख रुपये बताई जा रही है। ग्रामीण एसपी शुभम खंडेलवाल ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कार्रवाई की जानकारी दी।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि 25 जुलाई की शाम वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एमजीएम थाना क्षेत्र के सिपुलडांगा (देव) एनएच-33 स्थित काली मंदिर के समीप एक गुमटी में अवैध रूप से गांजा छिपाकर रखा गया है और उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर आसपास के लोगों को बेचा जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद उनके निर्देशन में पाटमदा के पुलिस उपाधीक्षक दयानंद कुमार और एमजीएम थाना प्रभारी सचिन कुमार दास के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने गुमटी से रौशन कुमार (21) को गिरफ्तारी किया गया गांजा से भरे 60 प्री-रोल्ड सिगरेट, गांजा पैक करने की सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, बिक्री से प्राप्त 3,060 रुपये नकद, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा बड़ी मात्रा में प्लास्टिक पैकेट बरामद हुए।

पूछताछ में रौशन कुमार ने खुलासा किया कि वह सप्ताह में दो से तीन बार बोड़ाम थाना क्षेत्र के जोबा गांव निवासी शंभू महतो उर्फ साधु से मोटरसाइकिल के माध्यम से गांजा लाकर शहर में बेचता था। उसने बताया कि शंभू महतो लंबे समय से बड़े पैमाने पर गांजा तस्करी का नेटवर्क संचालित कर रहा है।

रौशन की निशानदेही पर 26 जुलाई को पुलिस ने जोबा गांव स्थित शंभू महतो उर्फ साधु के घर पर छापेमारी की। वहां से अलग-अलग पैकेटों में रखा करीब 7.67 किलोग्राम गांजा, गांजे के बीज, 5,840 रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा गांजा पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई। दोनों स्थानों से जब्त गांजे का कुल वजन 7.8 किलोग्राम पाया गया।

कारगिल के वीरों को 55 किमी मैराथन से सलाम, सीसीएल कर्मियों के जज्बे को मिला सम्मान

बिभा संवाददाता

खलारी। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशभक्ति और वीर शहीदों के प्रति सम्मान का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। सीसीएल पिपरवार परियोजना के कर्मी अमोलकांत मिश्रा तथा आम्रपाली परियोजना के विजय बेदिया ने रांची से बचरा तक करीब 55 किलोमीटर की मैराथन दौड़ पूरी कर कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों धावकों के इस साहसिक अभियान ने युवाओं में देशभक्ति, फिटनेस और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया।मैराथन के दौरान पुरानी राय स्थित निर्मल महतो चौक पहुंचने पर गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय की ओर से दोनों धावकों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। क्लब के सदस्यों ने माल्यार्पण कर उनके जज्बे की सराहना की और वीर शहीदों के प्रति उनके समर्पण को प्रेरणादायी बताया।इस अवसर पर गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के संस्थापक सह सचिव गणेश कुमार महतो ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक दिन नहीं, बल्कि देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के शौर्य और त्याग को स्मरण करने का अवसर है। ऐसे आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की भावना को मजबूत करते हैं।कार्यक्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पुरानी राय के प्रधानाध्यापक गणेश महतो, संजीव कुमार मिश्रा सहित गणेश स्पोर्टिंग क्लब राय के अभ्यर्थी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने कारगिल के अमर शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

मानगो नगर निगम की मनमानी के खिलाफ धरना आज

जमशेदपुर(बिभा)। मानगो नगर निगम की कथित मनमानी और विकास कार्यों को रोके जाने के विरोध में जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के नेतृत्व में 27 जुलाई को गांधी मैदान में आयोजित होने वाले विशाल धरना की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। धरना मानगो नगर निगम कार्यालय के सामने सुबह 10 बजे से शुरू होगा। मानगो के विभिन्न इलाकों से आम नागरिक धरना स्थल पहुंचेंगे और इसमें सर्व समाज की भागीदारी रहेगी। आयोजकों के मुताबिक, धरना को लेकर पिछले कई दिनों से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया है। कार्यकताओं ने मानगो के विभिन्न मोहल्लों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और उनसे धरना में शामिल होने की अपील की। अधिक से अधिक संख्या में गांधी मैदान पहुंचने का आग्रह किया गया है। धरना का मुख्य मुद्दा मानगो नगर निगम की कार्यप्रणाली और क्षेत्र में विकास योजनाओं के बाधित होने का विरोध है। धरना के माध्यम से इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा और निगम प्रशासन से जवाब मांगा जाएगा।

इस वर्ष 21 नवंबर को होगी रामार्चा पूजा

जमशेदपुर(बिभा) : विधायक सरयू राय के यहां पिछले 25 वर्षों से चली आ रही रामार्चा पूजा की परंपरा में इस वर्ष तिथि को लेकर बदलाव किया गया है। हर साल गुरु पूर्णिमा के दिन

आयोजित होने वाली रामार्चा पूजा इस बार देवउठान एकादशी के अवसर पर 21 नवंबर 2026, शनिवार को आयोजित होगी। विधायक सरयू राय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि विगत 25 वर्षों से गुरु पूर्णिमा के दिन उनके यहां रामार्चा पूजा का आयोजन होता रहा है। इस वर्ष आयोजन की तिथि में परिवर्तन किया गया है। इसलिए श्रद्धालु और शुभचिंतक गुरु पूर्णिमा की जगह 21 नवंबर की तिथि को ध्यान में रखें। उन्होंने अपने सभी स्नेहीजनों, शुभचिंतकों और श्रद्धालुओं को रामार्चा पूजा में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है। गौरतलब है कि रामार्चा पूजा सरयू राय के यहां वर्षों से आयोजित होने वाला धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें बड़ी संख्या में उनके शुभचिंतक, समर्थक और श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस बार तिथि में बदलाव होने के कारण सरयू राय ने पहले ही इसकी सूचना सार्वजनिक की है, ताकि आयोजन से जुड़े लोगों और श्रद्धालुओं के बीच किसी तरह का भ्रम न रहे।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

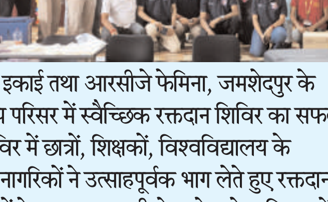

जमशेदपुर(बिभा): श्रीनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं रोटरैक्ट क्लब ने श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन की एनएसएस इकाई तथा आरसीजे फेमिना, जमशेदपुर के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। इस शिविर में छात्रों, शिक्षकों, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस मानवता की सेवा से जुड़े अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया प्रशिक्षित चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में सभी निर्धारित सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए संपन्न हुई। शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों एवं रोटरैक्ट क्लब के सदस्यों ने पंजीकरण, परामर्श और समन्वय की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे महान सेवाओं में से एक है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान कई लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। श्रीनाथ विश्वविद्यालय की एनएसएस समन्वयक सुश्री शालिनी ओझा तथा श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन की एनएसएस समन्वयक श्रीमती मधु शर्मा ने आरसीजे फेमिना, जमशेदपुर, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सभी रक्तदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जहाँ सेवा है,वहीं सच्ची मानवता है: लायंस दृष्टि

रांची(बिभा): लायंस क्लब ऑफ रांची दृष्टि के बोर्ड की पहली कैबिनेट मीटिंग क्लब के रीजन चेयरपर्सन आरती कुमारी जी के आवासीय कार्यालय में सारे एजेंडा के साथ विस्तृत रूप से संपन्न हुई। इस मीटिंग मे बोर्ड के सभी मेंबर सम्मलित हुए एवं अगस्त महीने में होने वाले सारे एक्टिविटी,इंस्टॉलेशन एवं 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर होने वाले कार्यक्रम की सफलता के लिए कमेटी बनाई गई। इस बोर्ड मीटिंग में मुख्य रूप से विकास कुमार, आरती कुमारी, शिव कुमार सिंह, तूलिका सिन्हा, मिथिलेश कालिंदी,राजेश केडिया आदि ने अपनी अपनी जिम्मेदारी ली और अगस्त महीने में इंस्टॉलेशन की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई जिसमें पांच परमानेंट प्रोजेक्ट सहमति बनी जिसमें वृद्धआश्रम चिरौंदी में चार प्रोजेक्ट प्रत्येक महीने की 05/14/16/ एवं 19 तिथि को एवं एक प्रोजेक्ट रामगढ़ जिले के मुरामकेला स्थित अनाथ आश्रम डिवाईन ओंकार मिशन में जारी रखने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी समाजसेवी शिव किशोर शर्मा ने दी है।

44 वीं सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए बेड़ो व गोड्डा में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न

बिभा संवाददाता

बेड़ो: झारखंड राज्य नेटबॉल संघ के तत्वावधान में 44वीं राष्ट्रीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला) के लिए रविवार को एक दिवसीय राज्य स्तरीय चयन ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संभावित बंद एवं यातायात की असुविधा को देखते हुए खिलाड़ियों की सुविधा के लिए इस बार चयन प्रक्रिया दो केंद्रों–देबीटोली (बेड़ो, रांची) और गांधी मैदान (गोड्डा)– में आयोजित की गई।

बेड़ो केंद्र पर ट्रायल का संचालन गुमला जिला नेटबॉल संघ के तत्वावधान में किया गया। इस केंद्र पर रांची, पूर्वी सिंहभूम, गुमला एवं आसपास के जिलों से लगभग 45 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पूरी चयन प्रक्रिया भारतीय नेटबॉल महासंघ के ऑब्जर्वर श्री साहेब मंडल की देखरेख एवं मार्गदर्शन में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। चयनकताओं ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए संभावित खिलाड़ियों का चयन किया।

चयनित खिलाड़ी हरियाणा के पलवल में आयोजित पुरुष वर्ग तथा भिवानी में आयोजित महिला वर्ग की 44वीं राष्ट्रीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर सुमंती तिर्की, संगीता उरांव, धीरज कुमार, ओम प्रकाश कुमार, निखिल, सचिन कुमार, तारा तिर्की, पंकज टोप्पो सहित अन्य खेल पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मांडर के नाजिया टेलीकॉम में लाखों की चोरी, अल्बेस्टर तोड़कर दुकान में घुसे चोर

मांडर(बिभा) : प्रखंड के बुढ़ाखुखरा में संचालित नाजिया टेलीकॉम मोबाइल दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। दुकान संचालक मो. मोजाहिद अंसारी ने बताया कि वे रोज की तरह रात करीब 9:30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह लगभग 9:00 बजे दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और कई कीमती सामान गायब थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चोरों ने दुकान की अल्बेस्टर शीट तोड़कर तथा फॉल्स सीलिंग उखाड़कर अंदर प्रवेश किया और करीब रात 1:00 से 2:00 बजे के बीच चोरी की घटना को अंजाम दिया। संचालक के अनुसार, चोर लगभग 2 लाख रुपये मूल्य के नए और पुराने मोबाइल फोन, ग्राहकों के रिपेयर के लिए रखे गए मोबाइल, करीब ?22,000 नकद, बैटरियां तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान अपने साथ ले गए। घटना की सूचना तत्काल माँडर थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच करते हुए अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने की भी मांग उठने लगी है।

भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड के छात्रों को दी गई विदाई

बिभा संवाददाता

मांडर: भारथी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कंदरी, मांडर में शनिवार को बी.एड. सत्र 2024-26 के छात्र-छात्राओं के लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. दीपाली पराशर, डीएसडब्ल्यू उपेन्द्र उपाध्याय, विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार राय सहित अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

प्राचार्या डॉ. पराशर ने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं बांटता, बल्कि समाज और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यहां से प्राप्त शिक्षा और संस्कार आपके उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेंगे।

उपेन्द्र उपाध्याय ने अनुशासन और समर्पण से जीवन में सफलता पाने की बात कही, वहीं डॉ. राकेश राय ने कहा कि बी.एड. प्रशिक्षण एक महान उत्तरदायित्व है।

कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के छात्रों ने नृत्य, गीत और गेम्स प्रस्तुत किए। विदाई ले रहे वरिष्ठ छात्रों ने अपने दो वर्षों के अनुभव साझा किए।

सत्र 2024-26 की छात्रा कु. सुमन तिर्की को 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया।

समारोह का संचालन हर्षित मार्की, राहुल, अंकित, सुनीता और अन्य ने किया। अंत में छात्रा आकांक्षा लकड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में दोनों सत्रों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

झारखंड संताल स्टूडेंट्स यूनियन ने विधायक संजीव सरदार को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका। झारखंड संताल स्टूडेंट्स यूनियन (जेएसएसयू) के प्रतिनिधिमंडल ने पोटका विधायक संजीव सरदार को ज्ञापन सौंपकर झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 को पुनः आयोजित कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि परीक्षा के संताली भाषा के प्रश्नपत्र में निर्धारित सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछे गए, जिसके कारण संथाली भाषा के अभ्यर्थियों को प्रतियोगिता परीक्षा में नुकसान उठाना पड़ा। संथाली पेपर में सिलेबस से बाहर के प्रश्न पूछे गए - यूनियन परीक्षा में प्रश्नपत्र-1 में हिंदी एवं अंग्रेजी, प्रश्नपत्र-2 में क्षेत्रीय भाषा तथा प्रश्नपत्र-3 में सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे। संगठन का कहना है कि संताली भाषा के पेपर-2 में कुल 100 प्रश्नों में से करीब 40 प्रश्न ऐसे थे, जो जेसीजीएल, पीजीटी, यूजीसी नेट, यूपीएससी एवं जेपीएससी स्तर के सिलेबस से संबंधित थे, जबकि चार प्रश्नों को पहले ही गलत करार दिया गया। छात्रों का कहना है कि इस प्रकार के प्रश्नों के कारण संथाली भाषा के अभ्यर्थियों को परीक्षा में असमान स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें प्रतियोगिता से लगभग बाहर कर दिया गया।

झारखंड संताल स्टूडेंट्स यूनियन ने अपनी प्रमुख मांग में कहा है कि आयोग द्वारा संताली विषय के प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया की जांच के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विशेषज्ञों की समिति गठित करने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की गंभीर त्रुटियों की पुनरावृत्ति न हो।

विधायक संजीव सरदार ने कहा की संथाली भाषा के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान छात्रों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों और परीक्षा में हुई कथित विसंगतियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया जाएगा।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री से होने वाली मुलाकात में छात्रों को स्वयं अपनी समस्याएं और मांगें रखने का पूरा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि छात्रों की बात सीधे सरकार तक पहुंचे, इसी उद्देश्य से यह पहल की जा रही है, ताकि मामले का निष्पक्ष समाधान निकल सके।

गुलमोहर हाई स्कूल द्वारा सीआईएससीई जोनल क्रिकेट चयन ट्रायल्स 2026 का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: गुलमोहर हाई स्कूल, जमशेदपुर द्वारा क्रिकेट अकादमी जमशेदपुर (सीएजे), कदमा में किया गया। यह चयन ट्रायल्स अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक वर्ग के लिए सीआईएससीई जोनल क्रिकेट टीमों के चयन हेतु आयोजित किए गए। तीन दिवसीय इस चयन ट्रायल्स में 28 सीआईएससीई संबद्ध विद्यालयों के 829 छात्र-खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, अनुशासन, समर्पण और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अनुभवी चयनकताओं के पैनल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन बल्लेबाजी, गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण, शारीरिक फिटनेस तथा समग्र मैच प्रदर्शन के आधार पर किया। चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी मानकों का पालन किया गया, जिससे योग्य खिलाड़ियों का चयन सुनिश्चित हो सका। इस अवसर पर गुलमोहर हाई स्कूल की प्राचार्या एवं सीआईएससीई जोनल कोऑर्डिनेटर, जमशेदपुर जोन, प्रीति सिन्हा ने कहा, ‌28 सीआईएससीई संबद्ध विद्यालयों के 829 युवा क्रिकेटरों को इतने उत्साह और खेल भावना के साथ एक मंच पर देखना अत्यंत प्रेरणादायक रहा। यह चयन ट्रायल्स विद्यार्थियों के लिए न केवल अपने क्रिकेट कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर था, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और खेल के प्रति सम्मान को भी दशार्ने का माध्यम बना। हम सभी चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हैं जो आगे जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बड़े आयोजन के सफल संचालन में खेल विभाग, शिक्षण स्टाफ, सहायक कर्मचारी, स्वयंसेवक, चयनकर्ता, मैच अधिकारी तथा क्रिकेट अकादमी जमशेदपुर के प्रबंधन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी के समन्वित प्रयासों से तीनों दिनों तक ट्रायल्स सुचारू रूप से संपन्न हुए। गुलमोहर हाई स्कूल ने सभी प्रतिभागी विद्यालयों, प्राचार्यों, खेल शिक्षकों, कोचों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति उनके सहयोग और उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

तारापीठ तीर्थ यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ी युवा एवं महिला मंच के जत्थे को विधायक संजीव सरदार ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। छत्तीसगढ़ी युवा एवं महिला मंच के तत्वावधान में तारापीठ स्थित मां तारा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था शुक्रवार देर रात रवाना हुआ। पोटका विधायक संजीव सरदार ने हरी झंडी दिखाकर जत्थे को रवाना किया। इस अवसर पर विधायक ने सभी श्रद्धालुओं को मंगलमय एवं सुखद तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

तीर्थ यात्रा के लिए दो बड़ी बसों की व्यवस्था की गई थी, जिसमें महिला एवं पुरुष समेत कुल 90 श्रद्धालु तारापीठ के लिए रवाना हुए। जत्था 25 जुलाई की रात 9:30 बजे बागबेड़ा स्थित सिद्धो-कान्हू मैदान से रवाना हुआ और अगले दिन सुबह करीब 8:30 बजे तारापीठ पहुचें। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मां तारा के दर्शन के लिए जा रहे सभी श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलमय हो और मां तारा सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुखद तीर्थ यात्रा की शुभकामनाएं दी

इस अवसर पर मुखिया धनी मार्डी, टीम के अध्यक्ष शेखर साहू, पप्पू साहू, मीडिया प्रभारी हरे राम साहू, नंदिनी साहू, निर्मल सिंह एवं शिव शंकर लोधी सहित मंच के अन्य सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

मकान निर्माण के दौरान 5 लाख रंगदारी मांगने का आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: उलीडीह थाना क्षेत्र के शांतिनगर में मकान निर्माण के दौरान पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने आरोपी रविन्द्र नाथ गौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में शिकायत सही पाए जाने के बाद न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त कर विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उलीडीह थाना प्रभारी मोहम्मद शारिक अली ने बताया कि 28 जून 2026 को लक्ष्मी महतो ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि शांतिनगर स्थित उनके निमार्णाधीन मकान के कार्य के दौरान रविन्द्र नाथ गौड़ पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग कर रहा था और रकम नहीं देने पर निर्माण कार्य में बाधा डालने की धमकी दे रहा था। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट हासिल किया गया और वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी से मामले के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई, जिसके बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने इटकी रोड के बेंक्वेट हॉल में आयोजित समारोह में अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

सैनिकों का त्याग और समर्पण युवाओं को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता रहेगा : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वेटरन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ झारखंड द्वारा आगमन बेंक्वेट हॉल, इटकी रोड, राँची में आयोजित समारोह में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की.

राज्यपाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य विजय का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम, अटूट राष्ट्रनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का अमर प्रतीक है. उन्होंने कहा कि वर्ष 1999 में कारगिल की दुर्गम एवं बर्फ से आच्छादित चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में जिस अद्वितीय वीरता का परिचय दिया, उसने सम्पूर्ण विश्व को यह संदेश दिया कि भारत अपनी एक-एक इंच भूमि की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने में पूर्णतः सक्षम है.

राज्यपाल ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना राष्ट्रधर्म का पालन किया और मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया. उनका त्याग, साहस और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा तथा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा.

राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके दृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपनी संप्रभुता एवं स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत पर विभिन्न प्रकार के दबाव बनाए जा रहे थे, तब श्रद्धेय अटल जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि जब तक भारत की एक इंच भूमि भी पाकिस्तान के कब्जे में रहेगी, तब तक किसी प्रकार की बातचीत का प्रश्न ही नहीं उठता.

राज्यपाल ने कहा कि हमारी सीमाओं पर तैनात सैनिकों की सतर्कता, त्याग और समर्पण के कारण ही देश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर पाता है. उन्होंने कहा कि जब देशवासी अपने परिवारों के साथ त्योहार मनाते हैं, तब हमारे सैनिक सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा में निरंतर डटे रहते हैं. भारतीय सेना के प्रति देशवासियों का सम्मान, विश्वास और श्रद्धा हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय शक्ति है.

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है. आधुनिक सैन्य उपकरणों, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयास देश की सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने अदम्य पराक्रम, अचूक क्षमता तथा राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया है.

राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और चरित्र के आदर्शों को अपने जीवन का आधार बनाएँ. उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय एवं जिम्मेदार भागीदारी आवश्यक है. इस अवसर पर वीर सैनिकों एवं शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी हुई, जिसकी राज्यपाल महोदय ने सराहना की.

जेएसएससी ने छपी खबर का किया खंडन कहा- हमारी परीक्षाओं से टीडीएल एजेंसी का कोई लेना-देना नहीं

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने अपनी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर प्रकाशित एक खबर का खंडन किया है।

रविवार को आयोग की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आयोग ने कहा है कि 26 जुलाई 2026 को एक समाचार पत्र में प्रकाशित यह दावा पूरी तरह गलत और भ्रामक है कि टीडीएल एजेंसी के पास जेएसएससी की पांच प्रमुख परीक्षाओं की जिम्मेदारी है।

आयोग ने साफ किया कि टीडीएल एजेंसी का झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023, झारखंड तकनीकी-विशिष्ट स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023, स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 और झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के आयोजन, परीक्षा प्रबंधन या किसी भी परीक्षा संबंधी काम से कोई संबंध नहीं है। जेएसएससी ने यह भी स्पष्ट किया कि समाचार में झारखंड वनरक्षक प्रतियोगिता परीक्षा का भी जिक्र किया गया है, जबकि वनरक्षक के पदों पर नियुक्ति के लिए आयोग को अब तक अधियाचना ही प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में इस परीक्षा को लेकर किया गया दावा भी गलत है।

आयोग के अनुसार, 20 मई 2025 को जारी कार्यालय आदेश संख्या-131 के तहत टीडीएल एजेंसी को परीक्षा संबंधी सभी कार्यों से हटाकर डी-एम्पैनल कर दिया गया था। इसके बाद से ही एजेंसी की आयोग की किसी भी परीक्षा या अन्य गतिविधि में कोई भूमिका नहीं है। आयोग ने यह भी कहा कि पिछले वर्षों में हुई परीक्षाओं, वर्तमान में चल रही परीक्षाओं और भविष्य में होने वाली किसी भी परीक्षा से भी टीडीएल एजेंसी का कोई संबंध नहीं है।

जेएसएससी ने कहा कि आयोग की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने वाली अपुष्ट, गलत या भ्रामक खबरों को गंभीरता से लिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति, संस्था या समाचार माध्यम इस तरह की तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित या प्रसारित करता है, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी में भ्रष्टाचार भाजपा शासन की पहचान, बाबूलाल करें आत्मचिंतन : ऋषीकेश

रांची(बिभा)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के जेपीएससी मामले में दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिस भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में जेपीएससी भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कथित अनियमितताओं का प्रतीक बन गया था, उसी पार्टी के नेता आज नैतिकता और पारदर्शिता की बात कर रहे हैं। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि भाजपा शासनकाल में आयोजित जेपीएससी की प्रथम, द्वितीय, तृतीय और छठी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर गंभीर अनियमितताओं, पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। इन मामलों में लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया चली और कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता इन घटनाओं को भूली नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि उस दौर में जेपीएससी में प्रतिभा और योग्यता के बजाय सत्ता से नजदीकी, प्रभावशाली लोगों के रिश्तेदारों और पैसे वालों को प्राथमिकता मिलने के आरोप लगते रहे। इससे राज्य के हजारों योग्य और मेहनती अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि बाबूलाल मरांडी आज नैतिकता और पारदर्शिता की बात कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पहले अपने शासनकाल में जेपीएससी को लेकर उठे विवादों और आरोपों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और राजनीतिक बयानबाजी से तथ्य नहीं बदल सकते।

सेंट अरविंदो एकेडमी' में अवैधानिक नियुक्ति विवाद: शिक्षकों व कर्मचारियों का वेतन अटका, आज से हड़ताल

रांची(बिभा): अरगोड़ा हाउसिंग कॉलोनी के पीछे स्थित 'सेंट अरविंदो एकेडमी' में प्रधानाचार्य की नियुक्ति को लेकर जारी विवाद अब काफी गहरा गया है। प्रबंधन के आंतरिक मतभेद और हठधर्मिता के कारण विद्यालय के 30 से अधिक शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों का जून 2026 माह का वेतन रोक दिया गया है। लंबित वेतन भुगतान और समस्या के समाधान न होने के विरोध में समस्त शिक्षक और कर्मचारी सोमवार से हड़ताल पर रहेंगे। इसके चलते विद्यालय में पठन-पाठन और अन्य प्रशासनिक कार्य पूरी तरह ठप्प हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य के इस्तीफे के बाद विवाद की शुरूआत हुई। आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन के मैनेजर राजकुमार साहू द्वारा विद्यालय अध्यक्ष की सहमति के बिना एकतरफा फैसला लेते हुए नए प्रधानाचार्य की नियुक्ति कर दी गई। मामले को सुलझाने के लिए श्रम अधीक्षक उदय कुमार द्वारा दोनों पक्षों से वार्ता कर मध्यस्थता की कोशिश की गई, लेकिन दोनों पक्षों के अपने रुख पर अड़े रहने के कारण कोई समाधान नहीं निकल सका। इस आंतरिक खींचतान की गाज निर्दोष शिक्षकों और कर्मचारियों पर गिरी है। वेतन रुकने से उनके सामने घर का किराया, बच्चों की स्कूल फीस और इलाज जैसे बुनियादी खर्चों का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित शिक्षकों व कर्मचारियों ने मांग की है कि जून माह का रोका गया वेतन अविलंब जारी किया जाए। हड़ताल में शामिल शिक्षकों और कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनके वेतन का भुगतान नहीं होता और स्थिति सामान्य नहीं की जाती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

झारखंड के रवि केसरी बने भारतीय खेल प्राधिकरण में कोच

रांची(बिभा) : भारतीय खेल प्राधिकरण (साईं) द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर कोच पद के लिए जारी साक्षात्कार परिणाम में झारखंड के रवि केसरी का चयन बैडमिंटन कोच के पद पर हुआ है। यह चयन राज्य के लिए गर्व की बात है, क्योंकि रवि केसरी ने कुल 20 चयनित उम्मीदवारों की सूची में अपनी जगह बनाई है। जारी आदेश के अनुसार, यह साक्षात्कार 24 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया था।गौरतलब है कि इस चयन सूची में देशभर के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी और प्रशिक्षक शामिल हैं, जिसमें बैडमिंटन, बॉक्सिंग, साइक्लिंग, जिम्नास्टिक्स, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो और कुश्ती जैसी विधाओं के कुल 20 उम्मीदवार शामिल हैं। रवि केसरी का चयन झारखंड के खेल जगत के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो राज्य में बैडमिंटन प्रशिक्षण को नई दिशा देने में मददगार साबित हो सकता है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सभी चयनित उम्मीदवारों को अलग-अलग नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे।

14वीं जेपीएससी परीक्षा विवाद : बाबूलाल मरांडी ने की सीबीआई जांच की मांग, राज्य सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सीआईडी जांच के माध्यम से पूरे मामले की लीपापोती करने का प्रयास कर रही है और वास्तविक दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से तत्काल इसकी अनुशंसा करने की अपील की।

रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में मरांडी ने दावा किया कि झारखंड में सरकारी अधिकारी बनने के लिए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार प्रारंभिक (पीटी) परीक्षा पास कराने के लिए पांच लाख रुपये, मुख्य परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए 25 लाख रुपये तथा साक्षात्कार में चयन सुनिश्चित कराने के लिए 10 लाख रुपये तक की रिश्वत ली जा रही है। उनके अनुसार इस तरह एक अभ्यर्थी से कुल 40 लाख रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया।

मरांडी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण संस्थानों में भ्रष्ट और अयोग्य अधिकारियों की नियुक्ति कर रखी है। उन्होंने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के एक अधिकारी तथा जेपीएससी के पूर्व मुख्य परीक्षा नियंत्रक विशाल कुमार का नाम लेते हुए उन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिस संस्थान से राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों का चयन होता है, यदि वही भ्रष्टाचार से प्रभावित होगा तो झारखंड को ईमानदार और सक्षम अधिकारी नहीं मिल सकेंगे।

उन्होंने कहा कि जेपीएससी राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा संस्थान है। यदि इसकी चयन प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में रहेगी तो शासन-प्रशासन की पूरी व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर ऐसे अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों पर बनाए रखती है, जिनकी कार्यशैली पर सवाल उठते रहे हैं।

मरांडी ने कहा कि सरकार द्वारा सीआईडी जांच की घोषणा केवल दिखावटी कार्रवाई है। उनका आरोप था कि इस जांच का उद्देश्य सच्चाई सामने लाना नहीं, बल्कि कथित घोटाले के सबूतों को मिटाना है। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हैं तो उन्हें सीबीआई जांच से कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, यह केवल परीक्षा में गड़बड़ी का मामला नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर अपराध है। यदि निष्पक्ष जांच हुई तो कई प्रभावशाली लोगों की भूमिका उजागर हो सकती है।

नेता प्रतिपक्ष ने सीआईडी के अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सरकार ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप रखी हैं और उनकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को किसी भी प्रकार के राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए।

अन्नपूर्णा सेवा में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरण

बिभा संवाददाता

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम मंदिर और श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में रविवार को 276वीं श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया।

स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान को महाप्रसाद अर्पित किया, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, मैंगो शरबत और आलू चिप्स का वितरण किया गया। ट्रस्ट के अनुसार सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया, जबकि सुबह से देर शाम तक हजारों भक्तों ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए।

भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने राधा-कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। इसके बाद सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, विष्णु सोनी, पवन पोद्दार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

संगठित पशु चोर गिरोह का एक आरोपित गिरफ्तार, स्कॉर्पियो सहित पांच मवेशी बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने पशुओं की चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से चोरी किए गए पांच गोवंशीय पशु, एक स्कॉर्पियो वाहन, मोबाइल फोन बरामद की है। मामले में अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 25-26 जुलाई की दरमियानी रात करीब ०1 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग नामकुम थाना क्षेत्र के राजा उल्लातु स्थित परताडीह टोला के पास गोवंशीय पशुओं की चोरी कर उन्हें वाहन में लोड कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के निर्देशन और वरीय पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो सात-आठ लोग एक काले रंग की स्कॉर्पियो में पशुओं को लोड कर रहे थे। पुलिस को देखते ही सभी आरोपित वाहन और पशुओं को छोड़कर भागने लगे। पीछा करने पर पुलिस ने एक आरोपित तबरेज अंसारी को धर-दबोचा जो पिठौरिया थाना क्षेत्र के काटमकुली का निवासी है।

पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ रांची के ग्रामीण इलाकों से गाय, बैल, बछड़ा और बकरी की चोरी कर उन्हें ले जाने का काम करता था। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर तीन बछड़े, एक बैल और एक गाय के अलावा घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो, एंड्रॉयड मोबाइल फोन और तीन प्लास्टिक की रस्सियां जब्त की हैं।

बिरसा मुंडा रत्न 2026' सम्मान समारोह संपन्न, विभिन्न क्षेत्रों की उत्कृष्ट हस्तियां हुईं सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची: पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के तत्वावधान में आयोजित बिरसा मुंडा रत्न 2026 सम्मान समारोह रविवार को रांची स्थित रेडिसन ब्लू होटल में गरिमामय एवं भव्य वातावरण के बीच संपन्न हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

'कारगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति से माहौल को राष्ट्रभक्ति के रंगों से भर दिया। झारखंड की लोकप्रिय लोक गायिका सुषमा नाग ने भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित गीत और शानदार नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

समारोह में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा छत्तीसगढ़ और ओडिशा से आए समाजसेवियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, साहित्यकारों, कला एवं मनोरंजन जगत के कलाकारों, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को बिरसा मुंडा रत्न 2026 से नवाजा गया।

मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता धीरज प्रसाद साहू ने अपने संबोधन में कहा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान करना उनके योगदान की सराहना तो है ही, यह दूसरों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, रांची के विधायक सीपी सिंह, जेएससीए प्रेसिडेंट अजय नाथ शहदेव, पद्मश्री मधु मंसूरी, सीनियर एडवोकेट सच्चिदानंद, डीडीसी रांची मुमताज अंसारी, मुख्य प्रायोजक 'मां तारा ग्रीन सिटी' के सीईओ अमित कुमार वर्मा, डायरेक्टर सोनी वर्मा, तथा पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के प्रधान संपादक सरफराज कुरैशी सहित संस्थान के वरिष्ठ संपादक और कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

रांची में सेपकटकरा अस्मिता लीग सफलतापूर्वक संपन्न

बिभा संवाददाता

राँची। खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार के अस्मिता अभियान के तहत आयोजित सेपकटकरा अस्मिता लीग का प्रथम चरण आज राँची स्थित मनन विद्या मनराखन महतो विद्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड एवं राँची जिला सेपकटकरा एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

प्रतियोगिता में राँची के विभिन्न विद्यालयों एवं क्लबों की महिला खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य महिला एवं बालिका खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना, उनकी खेल प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मनराखन महतो थे। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या रेखा नायडू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं नियमित प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

समापन समारोह के अवसर पर सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सचिव शिवेंद्र नाथ दुबे एवं उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि अस्मिता लीग झारखंड की महिला खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी तथा भविष्य में खेलो इंडिया एवं अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाओं की पहचान का सशक्त माध्यम बनेगी। इस अवसर पर रत्नेश कुमार भी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन अमरेंद्र दत्त द्विवेदी के नेतृत्व में एवं रौनक कुमार, साकेत सौरव, विवेक कुमार, अनीश गिरी एवं कौशल्या कुमारी के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एसोसिएशन के प्रेसिडेंट उदय साहू ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, विद्यालय प्रबंधन, तकनीकी अधिकारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि अस्मिता लीग के आगामी चरण भी इसी प्रकार सफलतापूर्वक आयोजित किए जाएंगे और झारखंड में महिला सेपकटकरा खेल को नई ऊँचाइयाँ प्राप्त होंगी।

रांची एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी से ग्राउंडेड, सभी यात्री सुरक्षित

बिभा संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर शनिवार रात भुवनेश्वर से आई इंडिगो की एक फ्लाइट तकनीकी खराबी आने के बाद ग्राउंडेड कर दी गई। विमान शाम करीब छह बजे सुरक्षित रूप से रांची पहुंचा था। फ्लाइट में करीब 70 यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित उतार लिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, विमान की रूटीन तकनीकी जांच के दौरान उसमें तकनीकी खराबी पाई गई। इसी बीच भुवनेश्वर जाने वाले यात्री विमान में सवार हो चुके थे, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद उन्हें खराबी की जानकारी दी गई और सुरक्षा के मद्देनजर सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया।

यात्रियों की सुविधा के लिए रांची-कोलकाता फ्लाइट रद्द कर उसमें जाने वाले यात्रियों को भुवनेश्वर भेजा गया।

एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद नियमित जांच में तकनीकी कमी सामने आई। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एहतियातन फ्लाइट को ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में बोकारो इस्पात संयंत्र ने रचा स्वर्णिम इतिहास

बिभा संवाददाता

बोकारो। वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुई है। इस अवधि में संयंत्र ने उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन करते हुए उत्पादन, परिचालन दक्षता तथा टेक्नो-इकोनॉमिक प्रदर्शन के अनेक प्रमुख मानकों पर नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जो परिचालन उत्कृष्टता तथा सतत विकास के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध करते हैं।

सुदृढ़ परिचालन रणनीति, प्रभावी लागत नियंत्रण तथा उत्कृष्ट उत्पादन प्रदर्शन के बल पर बोकारो इस्पात संयंत्र ने प्रथम तिमाही के दौरान उल्लेखनीय वित्तीय उपलब्धियाँ अर्जित कीं। संयंत्र का परिचालन राजस्व (ऑपरेशनल रेवेन्यू) 9.37 प्रतिशत बढ़कर 5,376 करोड़ से 5,880 करोड़ हो गया। इसी प्रकार, ईबीआईटीडीए (एइक्ळ्ळउ्अ) में 566 करोड़ की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई और यह 588 करोड़ से बढ़कर 1,154 करोड़ पर पहुँच गया, जो सेल के सभी एकीकृत इस्पात संयंत्रों में सर्वोत्तम प्रदर्शन है। ईबीआईटीडीए मार्जिन भी 10.94 प्रतिशत से बढ़कर 19.62 प्रतिशत हो गया, जो बेहतर परिचालन दक्षता एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग को दशार्ता है। यह भी सेल के सभी संयंत्रों में सर्वाधिक है। कर पूर्व लाभ (पीबीटी) में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए यह 97.82 करोड़ से बढ़कर 715.57 करोड़ हो गया, जो संयंत्र के सुदृढ़ वित्तीय एवं परिचालन प्रदर्शन का प्रमाण है।

उत्पादन के क्षेत्र में भी संयंत्र ने स्थापना काल से अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रथम तिमाही का प्रदर्शन किया। इस अवधि में ओवन पुशिंग्स, ग्रॉस सिन्टर, हॉट मेटल, क्रूड स्टील तथा कुल सेल योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल) के उत्पादन में नए प्रथम तिमाही रिकॉर्ड स्थापित किए गए। इसके साथ ही सिन्टर मशीन उत्पादकता, कोक रेट तथा ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता जैसे प्रमुख परिचालन मानकों ने भी संयंत्र के स्थापना काल से अब तक की सर्वोच्च प्रथम तिमाही उपलब्धियाँ दर्ज कीं।

वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने टेक्नो-इकोनॉमिक मानकों में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) दर बढ़कर 96 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल (किग्रा./टीएचएम) हो गई, जिसने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में प्राप्त 95 किग्रा./टीएचएम के पिछले सर्वश्रेष्ठ स्तर को पीछे छोड़ दिया। सीडीआई दर में वृद्धि से कोक की खपत कम होती है तथा ब्लास्ट फर्नेस की दक्षता एवं लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होता है। इसी प्रकार, विशिष्ट ऊर्जा खपत (स्पेसिफिक एनर्जी कंजम्प्शन) को घटाकर 6.314 जी-कैल प्रति टन क्रूड स्टील (जी-कैल/टीसीएस) के नए स्तर पर लाया गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में प्राप्त 6.328 जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है। यह उपलब्धि संयंत्र द्वारा ऊर्जा दक्षता एवं प्रक्रिया अनुकूलन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों को दशार्ती है।

प्रथम तिमाही के दौरान विभिन्न उत्पादन एवं परिचालन क्षेत्रों में अनेक मासिक उपलब्धियाँ भी दर्ज की गईं। अप्रैल 2026 में रॉ मटेरियल हैंडलिंग प्लांट (आरएमएचपी) ने 16,653 वैगनों के माध्यम से 11.7 लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग कर नया मासिक रिकॉर्ड स्थापित किया, जबकि इससे पूर्व जनवरी 2026 में 15,223 वैगनों के माध्यम से 10.7 लाख टन कच्चे माल की अनलोडिंग का रिकॉर्ड था। जून 2026 में कोक ओवन विभाग ने प्रतिदिन औसतन 531 ओवन पुशिंग्स का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसने मार्च 2026 में बनाए गए 530 ओवन पुशिंग्स प्रतिदिन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कोल्ड रोलिंग मिल ने रूट-2 के शटडाउन के बावजूद अप्रैल 2026 में 52,009 टन सेल योग्य कोल्ड रोल्ड स्टील (सीआर सेलएबल-क) का उत्पादन कर मार्च 2026 के 50,975 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पार कर लिया। ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी जून 2026 में विशिष्ट ऊर्जा खपत घटकर 6.274 जी-कैल/टीसीएस के नए मासिक सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुँच गई, जो मार्च 2026 में प्राप्त 6.290 जी-कैल/टीसीएस के पूर्व रिकॉर्ड से बेहतर है।

प्रथम तिमाही के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र ने जल संरक्षण तथा प्रक्रिया जल के अधिकतम दक्ष उपयोग पर विशेष बल देते हुए जल संसाधन प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाया। विभिन्न जल संरक्षण उपायों एवं प्रक्रिया जल के अनुकूलित उपयोग के परिणामस्वरूप विशिष्ट जल खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई, जो संयंत्र में संसाधनों के सतत एवं अनुशासित उपयोग को प्रतिबिंबित करती है। जल उपयोग दक्षता में इस सुधार के कारण जल प्रभार (वॉटर चार्जेज) में भी कमी आई।

इस अवधि में संयंत्र ने दैनिक उत्पादन के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए। 17 मई 2026 को संयंत्र ने 22,516 टन ग्रॉस सिन्टर का अब तक का सर्वाधिक दैनिक उत्पादन दर्ज किया, जिसने 1 मई 2026 को स्थापित 22,472 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसी प्रकार, चार ब्लास्ट फर्नेस संचालन के अंतर्गत 22 अप्रैल 2026 को 18,206 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर नया दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया गया, जबकि इससे पूर्व 21 मार्च 2026 को 18,107 टन का रिकॉर्ड था।

प्रथम तिमाही के दौरान सेकेंडरी सेल्स तथा कर्मचारी सहभागिता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गईं। जून 2026 में संयंत्र ने कोल केमिकल्स की 38.92 करोड़ की अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की, जिसने सितंबर 2024 में स्थापित 35.97 करोड़ के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। साथ ही, विपणन विभाग ने सेकेंडरी स्टील के लंबित इन्वेंटरी को हाल के वर्षों के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखते हुए त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया। कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों के योगदान को सम्मानित करने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए प्रथम तिमाही के दौरान संविदा कर्मियों के बीच गिफ्ट कार्डों का वितरण भी किया गया।

प्रथम तिमाही में प्राप्त यह उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन सुरक्षा के प्रति संयंत्र की अटूट प्रतिबद्धता से भी समर्थित रहा। ₹सेफ्टी फर्स्ट एंड ऑलवेजर₹ की कार्य संस्कृति के अनुरूप सेल के ₹जीरो टॉलरेंस रूल्सर₹ का पूरे संयंत्र में पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके साथ ही सतत सुरक्षा जागरूकता अभियान, नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता, व्यवहार आधारित सुरक्षा पहल तथा नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से संयंत्र में ₹जीरो हार्मर₹ की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है।

वित्त वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ अर्जित करने के बाद बोकारो इस्पात संयंत्र वर्तमान वित्त वर्ष के आगामी महीनों में भी नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा सेल और देश की सतत प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में बहादुरपुर के 60 वर्षीय चंडी चरण ठाकुर की मौत

जरीडीह (बोकारो) (बिभा): राष्ट्रीय राजमार्ग-32 पर शनिवार को एक भयानक सड़क दुर्घटना में बहादुरपुर निवासी 60 वर्षीय चंडी चरण ठाकुर की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, जरीडीह थाना क्षेत्र में एक चलती ट्रक ने पीछे से बाइक सवार ठाकुर को टक्कर मार दी, जिससे वे घटनास्थल पर ही गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने ट्रक को पकड़ लिया है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। जरीडीह थाना पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है तथा ट्रक चालक व वाहन के अन्य कागजात की जांच चल रही है। घटना के संबंध में मृतक के भाई ने बताया कि चंडी चरण ठाकुर बहादुरपुर में चाय-पकौड़ी बनाकर अपने परिवार का निर्वाह करते थे। घर परिवार बेहद गरीब है और परिवार के संसाधन सीमित बताए जा रहे हैं। गांव की मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि पुलिस ने उन्हें सूचना दी और उन्हें थाने बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि वाहन का मालिक घटना के बाद मौके पर नहीं पहुंचा है। मुखिया ने कहा, ₹हम लोगों ने मुआवजे की मांग की है ताकि परिवार को कोई सहारा मिल सके।₹ पीड़ित परिजनों ने प्रशासन से राहत राशि तथा न्याय की गुहार लगाई है। जरीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है तथा आगे की कार्रवाई के लिए साक्ष्य जुटाने और गवाहों के बयान दर्ज करने का काम जारी रखा है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा व भारी वाहन चालकों की लापरवाही पर चिंता व्यक्त की है और कड़ी निगरानी व सड़कों पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग उठाई है। पुलिस ने चेतावनी देते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ कारोबारी ज्ञानचंद शर्मा का कोलकाता में निधन, अंतिम संस्कार आज

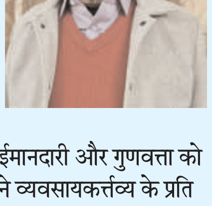

बोकारो(बिभा) : बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सक्रिय सदस्य एवं चर्चित व्यवसायी ज्ञानचंद शर्मा का आज कोलकाता में निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही चेंबर के पदाधिकारियों व व्यापारिक समुदाय में गहरा शोक फैल गया। दिवंगत का अंतिम संस्कार आज बोकारो में किया जाएगा। स्व. ज्ञानचंद शर्मा हिंदुस्तान सप्लायर्स के संस्थापक थे। उन्होंने ईमानदारी और गुणवत्ता को अपने व्यवसाय की पहचान बनाया तथा अपने व्यवसायकर्त्तव्य के प्रति समर्पण के कारण वे शहर में विशेष सम्मानित किए जाते रहे। वे सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी रहे; श्री राजस्थानी ब्राह्मण सभा ट्रस्ट सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं से उनका जुड़ाव रहा। अपने सरल, सौम्य और मिलनसार स्वभाव के कारण वे व्यापारिक व सामाजिक दोनों ही परिधियों में लोकप्रिय थे। वे पीछे तीन पुत्र – रविंदर, चितरंजन और रोहित दधिच – सहित एक भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। बोकारो के व्यापारिक व सामाजिक जगत ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि श्री शर्मा का जाना न सिर्फ.चैंबर के लिए, बल्कि सम्पूर्ण शहर के लिए एक बड़े नुकसान के समान है। साथ ही संजय बैद, नरेंद्र सिंह, पियुष जैन, ओम प्रकाश बाजोरिया, राजकुमार जायसवाल, शैलेंद्र जायसवाल, अंकित जैन, सिद्धार्थ चोरड़िया, अनूप भालोटिया, सुभाष जैन, कुमार अमरदीप, बिनय सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति व शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

कारगिल दिवस पर याद किए शहीद, पुष्प अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया

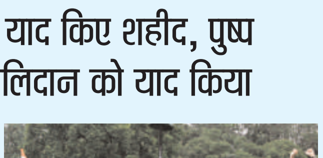

बोकारो(बिभा): नगर के सिटी पार्क स्थित शहीद में कारगिल विजय दिवस पर पूर्व सैनिक सेवा समिति द्वारा बड़े हर्ष, गर्व और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों के अलावा नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शहीदों को नमन करने के उपरांत राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व सैनिक राकेश मिश्रा ने बताया कि वर्ष 1999 में भारतीय सेना के वीर जवानों ने कठिन परिस्थितियों में अदम्य साहस, धैर्य और वीरता का परिचय देते हुए कारगिल की चोटियों पर विजय प्राप्त की।भौगोलिक संदर्भ उन्होंने देशवासियों से देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा शहीद उद्यान परिसर देशभक्ति के नारों से गूँज उठा। अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने तथा शहीदों के आदर्शों का पालन करने की शपथ ली। यह कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और देशप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

कोयला चोरी रोकने के अभियान में सीआईएसएफ पर मारपीट का आरोप, युवक घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला के गांधीनगर थाना क्षेत्र के चार नंबर एरिया में कोयला चोरी रोकने को लेकर चलाए गए कथित छापेमारी अभियान के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. एक ओर घायल युवक और उसके परिजनों ने सीआईएसएफ पर बेरहमी से मारपीट का आरोप लगाया है, घायल युवक के मां का कहना है जलावन के लिए चार बोड़ा कोयला लेकर जा रहा था इसी दौरान सीआईएसएफ के जवान ने रोका और बुरी तरह से पिटाई कर दिया जिसके कारण उसका सिर फट गया है शरीर के कई जगहों पर गंभीर चोट लगी है. पुलिस मामले की जांच को लेकर अस्पताल पहुंच गई है.

वहीं दूसरी ओर सीआईएसफ ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है. सीआइएसएफ कमांडेंट (अतिरिक्त प्रभार) आशुतोष चौधरी का कहना है कि कानून के तहत जो मुझे पावर दिया गया है, क्षेत्र में हो रहे कोयला चोरी रोकने को लेकर हमारे जवान द्वारा कार्रवाई की जा रही थी इसी दौरान चार बाइक पर कोयला लोड किए हुए दो बाइक सवार भाग गए. इनको भी रोकने का प्रयास किया गया भागने के क्रम में गिर गये जिससे उसके सिर में थोड़ा खर्च आया है जिसे हमारे जवानों ने उठा कर ढोरी सेंट्रल हॉस्पिटल में एडमिट करा दिया। जहां घायल युवक के परिजन पहुंचकर हंगामा कर रहे हैं. कार्रवाई का कुछ लोगों ने विरोध किया और सीआईएसएफ की सरकारी गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया.

घटना के बाद घायल युवक को सीसीएल ढोरी केंद्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां परिजनों और स्थानीय लोगों के पहुंचने से माहौल तनावपूर्ण हो गया. सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल परिसर में अतिरिक्त सीआईएसएफ बल तैनात किया गया है. वहीं पूरे मामले की जांच में बेरमो पुलिस जुट गई है. अब जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि घटना किन परिस्थितियों में हुई है. क्षेत्र में बड़ी संख्या में बाइक द्वारा कोयला का अवैध कारोबार संचालित होता है. सीआईएसफ के लगातार छापामारी से कोयला के अवैध कारोबारी मैं बौखलाहट शुरू हो गई है. मामले में आरोप-प्रत्यारोप में कितनी सच्चाई है. वही घायल का इलाज कर रहे डॉक्टर ने कहा सर में चोट लगा है सीटी स्कैन करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

तीन साल से रुकी बहाली पर फूटा युवाओं का गुस्सा, 28 को बोकारो में निकलेगा कैंडल मार्च

बिभा संवाददाता

बोकारो : जिले में पिछले तीन वर्षों से रुकी हुई बहाली प्रक्रिया को लेकर युवाओं में आक्रोश तेज हो गया है। रोजगार की मांग को लेकर युवाओं ने 28 जुलाई को शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकालने का ऐलान किया है। यह मार्च जिले के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जिसमें बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा शामिल होंगे। यह कैंडल मार्च अमृत पार्क से शुरू होकर उपायुक्त कार्यालय तक जाएगा, जहां युवा अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे।

युवाओं का कहना है कि लंबे समय से बोकारो जिले में चौकीदार, जिला प्रशासन तथा अन्य रिक्त पदों पर कोई भी नई बहाली नहीं निकाली गई है, जिससे बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर प्रशासन की उदासीनता के कारण योग्य अभ्यर्थी अवसर से वंचित हो रहे हैं।

आंदोलनकारी युवाओं ने स्पष्ट किया कि कैंडल मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा और इसके माध्यम से वे अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे। मार्च के बाद प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा और जल्द बहाली प्रक्रिया शुरू करने की मांग करेगा। युवाओं ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आगे और बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो। रायफल शूटिंग खेल के सीबीएसई बोर्ड, आईसीएससी बोर्ड, यूनिवर्सिटी विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं ओलंपिक में पदक जीतने के लक्ष्य को निर्धारित कर आज से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज में तीन दिवसीय 10 मीटर एयर रायफल एवं एयर पिस्टल शूटिंग प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया।

प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ होने से पूर्व बोकारो रायफल क्लब के अध्यक्ष श्री विपिन अग्रवाल के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किये और बोकारो के खेल इतिहास व उपलब्धियों का चर्चा करते हुए प्रशिक्षुओं को पदक जीतने की शुभकामनाएं दिए। बोकारो रायफल क्लब के सचिव श्री अनील कुमार ने खेल के असिस्टेंट एक्सरसाइज को घर में दोहराने की जानकारी दिए। यूनिक एंड यूनिटी फाउंडेशन के निदेशक श्रीमती विभा कुमारी ने महिला खिलाड़ियों का मनोबल बढाई। आज के प्रशिक्षण शिविर में 54 खिलाड़ी शामिल हुए। सभी खिलाड़ियों को रायफल शूटिंग खेल के नियम व सेफ्टी, तकनीकी जानकारी देने के बाद वार्मअप, स्ट्रेचिंग, होल्डिंग, मेडीटेशन एवं शूटिंग होल्डिंग कराया गया। प्रशिक्षक एवं रेंज ऑफिसर श्री पिंटू यादव थे। आज के प्रशिक्षण शिविर में ज्यादातर स्कूली छात्र व छात्राओं की भागीदारी रही। निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर का समापन दिनांक 28 जुलाई 2026 को होगा।

एमजीएम स्कूल की 32 सदस्यीय बालिका जूडो टीम सीबीएसई ईस्ट जोन प्रतियोगिता के लिए प्रयागराज रवाना

बिभा संवाददाता

बोकारो: एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, बोकारो की 32 सदस्यीय बालिका जूडो टीम सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रयागराज रवाना हो गई। यह प्रतियोगिता 26 से 30 जुलाई तक गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल, प्रयागराज में सीबीएसई के तत्वावधान में आयोजित होगी। स्कूल के प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने बताया कि एमजीएम स्कूल की टीम लगातार पिछले दो वर्षों से ओवरऑल चैंपियन रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से तीसरी बार ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल करेंगे।

प्रतियोगिता के लिए 11 वर्ष आयु वर्ग में रोशनी कुमारी, अंजली कुमारी, परी कुमारी, किसवा एवं धृति कुमारी का चयन हुआ है। 14 वर्ष आयु वर्ग में अर्पिता रानी, साक्षी सोलंकी, पीहू कुमारी, अनामिका, समृद्धि कुमारी, जया सिंह एवं हर्षिका कुमारी शामिल हैं। इसी प्रकार 17 वर्ष आयु वर्ग में दुर्गा टंडन, सृष्टि, आकृति कुमारी, आराध्या कुमारी, सौम्या, मानवी राय, सोनाक्षी कुमारी, अनन्या कुमारी एवं गौरवी शर्मा टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। 19 वर्ष आयु वर्ग में झिनुक बनर्जी, स्नेहा कुमारी, आस्था पांडे, सुरभि कुमारी, जय श्री, अदिति, स्वस्ति विजया, रिचा नंदा तथा पीहू उपाध्याय शामिल हैं।

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स का 13वाँ इंस्टॉलेशन समारोह संभव भव्यता के साथ सम्पन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स ने रोटरी वर्ष 2026-27 के शुभारंभ पर अपना 13वाँ इंस्टॉलेशन समारोह संभव ट्रिनिटी पैलेस, फोर लेन, चास में अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया। समारोह का आयोजन रोटरी इंटरनेशनल की वर्ष 2026-27 की थीम "Create Lasting Impact" (स्थायी प्रभाव का सृजन) को समर्पित रहा।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट रोटेरियन मुकेश तनेजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं निदेशक मंडल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा अपने प्रेरणादायी संबोधन में सभी सदस्यों को सेवा, समर्पण और नवाचार के माध्यम से समाज में स्थायी सकारात्मक प्रभाव छोड़ने का आह्वान किया।

समारोह का शुभारंभ रोटेरियन अमीषा के स्वागत भाषण से हुआ, जिन्होंने सभी अतिथियों एवं रोटेरियनों का हार्दिक अभिनंदन किया।

निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन मिनी स्टीफन कपूर ने अपने भावपूर्ण विदाई संबोधन में पूरे वर्ष क्लब द्वारा किए गए उल्लेखनीय सेवा कार्यों, सामाजिक परियोजनाओं एवं सदस्यों के सहयोग का स्मरण करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2025-26 के सचिव रोटेरियन मोहित अग्रवाल ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए क्लब की वर्षभर की उपलब्धियों, सेवा परियोजनाओं, जनहित कार्यक्रमों, फेलोशिप गतिविधियों तथा रोटरी की सार्वजनिक छवि को सशक्त बनाने वाले कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस वर्ष क्लब ने 70 से भी जयादा सामाजिक कार्य किये ।

रोटरी क्लब आफ बोकारो मिडटाउन कपल्स और अध्यक्षा मिनी स्टीफन कपूर को डिस्ट्रिक्ट अवार्ड कार्यक्रम में उनके सामाजिक कार्यों के लिए 10 अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

समारोह में रोटेरियन मोहित अग्रवाल ने वर्ष 2026-27 के लिए क्लब के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। रोटेरियन शिव अग्रवाल ने सचिव तथा रोटेरियन अनुप अग्रवाल ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। इस अवसर पर नवगठित निदेशक मंडल के सदस्यों का भी औपचारिक रूप से पदस्थापन किया गया।

अपने प्रथम अध्यक्षीय संबोधन में रोटेरियन मोहित अग्रवाल ने सभी सदस्यों का विश्वास एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए आगामी वर्ष के लिए क्लब की कार्ययोजना साझा की। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए प्रभावशाली सेवा परियोजनाओं, युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सार्थक कार्य करने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर रोटेरीयन साजन कपूर ने क्लब की इ स्मारिका का विमोचन किया और पिछले वर्ष के सभी समाजिक कार्यों, कार्यक्रमों , समारोहों और मेम्बरस के साथ मनाये गये उत्सव को दशार्या ।

समारोह का प्रभावशाली संचालन रोटेरियन राहुल लांबा ने बहुत बढ़िया रूप से किया, जबकि रोटेरियन अनुप अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथि, आगंतुक रोटेरियनों, अतिथियों, प्रायोजकों एवं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बोकारो, रोटरी क्लब ऑफ चास, रोटरी क्लब ऑफ पुरुलिया तथा रोटरी क्लब ऑफ धनबाद के अनेक रोटेरियन एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। उनकी सहभागिता ने रोटरी की मित्रता, एकता एवं सेवा भावना को और अधिक सशक्त बनाया।

कार्यक्रम के मेजबान रोटेरियन शिव एवं सीमा अग्रवाल, रोटेरियन अनुप एवं अमीषा अग्रवाल तथा रोटेरियन मोहित एवं साक्षी अग्रवाल रहे, जिन्होंने सभी अतिथियों के स्वागत एवं आतिथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सौहार्दपूर्ण फेलोशिप एवं रात्रिभोज के साथ सम्पन्न हुए इस समारोह ने रोटरी क्लब ऑफ बोकारो मिडटाउन कपल्स के लिए एक नई ऊर्जा, नए उत्साह और समाज सेवा के प्रति नई प्रतिबद्धता का संदेश दिया। ₹संभवर₹ केवल एक इंस्टॉलेशन समारोह नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग और "Service Above Self" की भावना के साथ समाज में स्थायी सकारात्मक प्रभाव छोड़ने के सामूहिक संकल्प का प्रतीक बन गया।

खलारी डीएसपी के नेतृत्व में तीन थाना क्षेत्रों में रातभर चला छापेमारी अभियान

बिभा संवाददाता

खलारी। अपराध और उग्रवाद के खिलाफ पुलिस ने शुक्रवार रात व्यापक स्तर पर संयुक्त अभियान चलाकर अपनी सक्रियता का परिचय दिया। खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में मैक्लुस्कीगंज, खलारी, मांडर एवं चान्हो थाना पुलिस ने देर रात तक कॉम्बिंग ऑपरेशन, छापेमारी, वाहन जांच और पैदल गश्त अभियान चलाया। इस दौरान उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों से लेकर बाजार और राष्ट्रीय मार्ग तक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आई।अभियान की शुरूआत मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र से की गई, जहां पिपरवार सीमा पर टीएसपीसी उग्रवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने पर डीएसपी रामनारायण चौधरी ने थाना प्रभारी और पुलिस बल के साथ जंगलों एवं संवेदनशील इलाकों में सघन कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी।इसके बाद खलारी थाना क्षेत्र स्थित डकरा पेट्रोल पंप पर खड़े वाहनों एवं उनमें सवार लोगों की गहन जांच की गई। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की और वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया। वहीं मांडर थाना पुलिस के साथ मांडर टोल प्लाजा पर विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया, जहां देर रात गुजरने वाले वाहनों की बारीकी से जांच की गई।इधर, चान्हो थाना क्षेत्र के बीजूपाड़ा बाजार में बैंक, एटीएम और ज्वेलरी दुकानों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने पैदल गश्त की। गश्ती के दौरान व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई।डीएसपी रामनारायण चौधरी ने कहा कि अपराधियों, उग्रवादियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। संवेदनशील क्षेत्रों में रात्रि गश्त, कॉम्बिंग ऑपरेशन और वाहन जांच को और तेज किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत रहे और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

दुंदुआ में निशुल्क कोचिंग सेंटर का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

खलारी। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। रविवार को कल्याणपुर पंचायत के दुंदुआ गांव में ट्रस्ट की महत्वाकांक्षी पहल 'भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन' के तहत निशुल्क कोचिंग सेंटर का विधिवत उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत के मुखिया महेश मुंडा ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी अमित राज पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से ट्रस्ट लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि 'भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन' के तहत झारखंड की 4000 से अधिक पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से निशुल्क कोचिंग सेंटर स्थापित करने की योजना है, ताकि गांवों के बच्चों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं स्कूली शिक्षा की बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। ट्रस्ट का प्रयास है कि ऐसे विद्यार्थियों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचे और उन्हें आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। इसी उद्देश्य से दुंदुआ गांव में इस कोचिंग सेंटर की शुरुआत की गई है।कार्यक्रम में ट्रस्ट के शिक्षा प्रबंधक चंदन उपाध्याय ने मिशन की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन और अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को नई दिशा देने का माध्यम बनेगा।इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता छोटेलाल सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देश के युवाओं और राहुल गांधी के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत: कांग्रेस

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं, छात्रों और जननायक राहुल गांधी जी के निरंतर संघर्ष की एक बड़ी जीत बताया है। मनोज नारायण भगत ने कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली पिछले कुछ समय से पूरी तरह से अव्यवस्था और घोटालों का शिकार हो चुकी थी। परीक्षाओं में धांधली, पेपर लीक और छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ से युवाओं का व्यवस्था पर से भरोसा उठने लगा था। ऐसे में हमारे नेता विपक्ष के लोकसभा नेता सदन राहुल गांधी ने सड़क से लेकर संसद तक छात्रों की आवाज को प्रखरता से उठाया और सरकार को बेनकाब किया। युवाओं और छात्रों के सब्र का नतीजाः यह इस्तीफा इस बात का सबूत है कि जब देश का युवा जागता है और अपने हक के लिए खड़ा होता है, तो तानाशाही और अकर्मण्यता को झुकना ही पड़ता है। राहुल गांधी का आक्रामक नेतृत्वः जननायक राहुल गांधी जी ने जिस तरह से लाखों छात्रों के दर्द को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया, उसी का दबाव था कि मोदी सरकार को अपने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेने पर मजबूर होना पड़ा। मैं नेता विपक्ष राहुल गांधी का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने समस्त विपक्ष को साथ लेकर छात्रों की आवाज को संसद से लेकर सड़क तक मजबूती से उठाया। उन्होंने लगातार युवाओं के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को राष्ट्रीय मुद्दा बनाया और हर परिस्थिति में छात्रों के साथ खड़े रहे।

नैतिक जिम्मेदारी की मांगः केवल शिक्षा मंत्री का इस्तीफा ही काफी नहीं है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि पूरी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि भविष्य में किसी छात्र का सपना न टूटे।

यह लड़ाई सिर्फ एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है। हजारीबाग जिला कांग्रेस हर उस छात्र और युवा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, जो अपने हक और पारदर्शी भविष्य के लिए संघर्ष कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी एवं कौशल्य सागर जी महाराज का कोडरमा में भव्य मंगल प्रवेश

हजारीबाग(बिभा): जैन समाज के लिए रविवार का दिन अत्यंत हर्ष और उल्लास से भरा रहा, जब पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज का कोडरमा नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस पावन अवसर पर कोडरमा सहित हजारीबाग, गिरिडीह और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे तथा गुरु भगवंत के मंगल प्रवेश के साक्षी बने। मंगल प्रवेश यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में निकाली गई। श्रद्धालुओं ने जयघोष करते हुए गुरु का भव्य स्वागत किया।जगह-जगह मंगल गीतों और धार्मिक जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।हजारीबाग से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित कोडरमा पहुंचे और गुरु के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं को धन्य महसूस किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि संतों का मंगल प्रवेश समाज के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, संयम और सदाचार का संदेश लेकर आता है।कार्यक्रम के दौरान गुरु भगवंत ने धर्म, अहिंसा, संयम, आत्मकल्याण एवं मानव जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन को सार्थक बनाने के लिए सदैव धर्म के मार्ग पर चलना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से भी संस्कार, सेवा और आध्यात्मिक जीवन को अपनाने का आह्वान किया।

लिटिल फोक्स प्ले स्कूल एवं सीप अबाकस का 14वाँ वार्षिक उत्सव संपन्न

हजारीबाग(बिभा) : लिटिल फोक्स प्ले स्कूल, हुरहुरू एवं सीप अबाकस का 14वाँ वार्षिक उत्सव रविवार को बड़े ही धूमधाम एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे-मुन्ने बच्चों की मनमोहक गणेश वंदना से हुआ, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।नर्सरी एवं एलकेजी के बच्चों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित देशभक्ति प्रस्तुति तथा राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। फैशन शो में बच्चों ने विभिन्न परिधानों में रैंप वॉक कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सीप अबाकस के विद्यार्थियों ने 'अनपढ़ नेता', 'रेट्रो डांस' तथा 'पढ़ाई का अत्यधिक दबाव नहीं होना चाहिए' जैसे सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।कार्यक्रम में हिप-हॉप डांस ने युवाओं और अभिभावकों का भरपूर मनोरंजन किया। ऊर्जावान प्रस्तुति, आकर्षक स्टेप्स और शानदार तालमेल ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।वहीं ₹भूख से तड़पते लोग₹ विषय पर बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने समाज को मानवता, संवेदनशीलता और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया। बच्चों के प्रभावशाली अभिनय ने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया और कार्यक्रम में सामाजिक जागरूकता का एक सशक्त संदेश भी दिया।इस अवसर पर सीप अबाकस ढ१ड्ढ्रँ८ कंपीटिशन के विजेता विद्यार्थियों को चैंपियन, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रनर-अप सहित विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाएं दिव्या कुमारी, रजनी सिंह, बिनीता कुमारी, निकिता खंडेलवाल, ऋषिता, अंजलि, प्रतिमा, श्रेया, प्रिया, काजल, कोमलजीत कौर, स्वीटी, अन्वेशा, सावित्री, सविता, मूल एवं सपना का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम का संचालन अनीका एस. बावा, मुस्कान बावा तथा सीप अबाकस के विद्यार्थियों हर्षित अग्रवाल, हर्षा, आध्या श्रीवास्तव, दक्ष सिंघल, स्वास्तिक एवं अदिति ने किया।समारोह के अंत में विद्यालय की संस्थापक एवं निदेशक मनप्रीत बावा ने सभी अभिभावकों, अतिथियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई।

कारगिल विजय दिवस पर मेयर ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

धनबाद(बिभा)। 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को धनबाद में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मेयर संजीव सिंह शामिल हुए। अखिल भारतीय सैनिक सेवा परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर मेयर ने कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों का अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य और सर्वोच्च बलिदान देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने विपरीत परिस्थितियों में जिस वीरता और पराक्रम का परिचय दिया, वह राष्ट्र के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

झारखंड बाग के खतरनाक मोड़ पर भीषण सड़क हादसा, हाइवा से भिड़ी कार, चालक घायल

बिभा संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज-पतरातू मुख्य मार्ग पर रविवार की शाम एक तेज रफ्तार कोयला लदे हाइवा और ऑल्टो कार के बीच हुई भीषण टक्कर में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल चालक का एक पैर टूट गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।जानकारी के अनुसार, दुर्घटना मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के झारखंड बाग स्थित चीनाटाँड के समीप रविवार शाम करीब 3:45 बजे हुई। बताया जाता है कि रांची से खलारी होकर बालूमाथ जा रहे ऑल्टो कार चालक जमाल आलम (52 वर्ष) की कार झारखंड बाग के पास स्थित तीखे मोड़ पर सामने से आ रहे कोयला लदे हाइवा से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और चालक वाहन के अंदर ही फंस गया।

हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायल चालक को कार से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों के अनुसार दुर्घटना में चालक का एक पैर फ्रैक्चर हो गया है।घटना की सूचना मिलते ही खलारी इंस्पेक्टर राम कुमार वर्मा, मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, एसआई बिरजू प्रसाद, एसआई डेगन कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया तथा दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि झारखंड बाग के पास का यह तीखा मोड़ लंबे समय से दुर्घटनाओं का केंद्र बना हुआ है। उनका आरोप है कि भारी वाहनों की तेज रफ्तार और सड़क पर पर्याप्त चेतावनी संकेतों के अभाव के कारण यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से इस मोड़ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और भारी वाहनों की गति पर नियंत्रण सुनिश्चित करने की मांग की है।

अभाविप ने शहीदों की स्मृति में दीप प्रज्जवलित कर अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) की ओर से कारगिल विजय दिवस पर रविवार को शहीद चौक, रांची में 'एक दीप शहीदों के नाम₹ कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर परिषद् के कार्यकताओं एवं विद्यार्थियों ने शहीदों की स्मृति में दीप प्रज्जवलित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत माता के जयघोष और वीर जवानों के सम्मान में देशभक्ति के नारे लगाए। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवं देशसेवा की भावना को जागृत करना था।

मंगल आगमन से भक्तों में उमड़ा आस्था का सैलाब

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : पूज्य मुनिश्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनिश्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के नगर आगमन पर जैन समाज सहित श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और उमंग देखने को मिली। बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाराज श्री के स्वागत के लिए मार्ग में एकत्रित हुए और जयकारों के साथ भव्य अगवानी की। पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा तथा णमोकार महामंत्र और जैन धर्म के जयघोष से नगर गूंज उठा।

श्रद्धालुओं ने महाराज श्री के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ मंगल प्रवेश यात्रा में भाग लिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर संतों का अभिनंदन किया गया, जिससे पूरा वातावरण धर्ममय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो गया।

महाराज श्री ने अपने मंगल संदेश में कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य आत्मकल्याण, संयम, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलना है। उन्होंने सभी से अहिंसा, सत्य, करुणा और आत्मचिंतन को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उनके प्रेरणादायी प्रवचनों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि महाराज श्री के सान्निध्य में आगामी दिनों में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता की अपील की गई है।

महाराज श्री के मंगल आगमन ने पूरे नगर को आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी, आस्था और उत्साह साफ झलक रहा था तथा सभी ने इसे अपने जीवन का सौभाग्यपूर्ण अवसर बताया।

हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का नवीन संस्करण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विधायक प्रदीप प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्ण के नवीन संस्करण को अपने विधायक जनसेवा कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ सुना।इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि ह्यमन की बातह्ण कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देशवासियों से सीधे संवाद करते हुए भारत की उपलब्धियों, देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों तथा आम नागरिकों के योगदान को देश के सामने रखते हैं। प्रधानमंत्री जी द्वारा देश और देशवासियों की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए गर्व व्यक्त किया गया।

उन्होंने कहा कि ह्यमन की बातह्ण केवल एक संवाद कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को जोड़ने वाला एक प्रेरणादायी माध्यम है। प्रधानमंत्री जी द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से दिए जाने वाले संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करते हैं। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। देशवासियों की मेहनत, प्रतिभा और सामूहिक सहभागिता से भारत नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ह्यमन की बातह्ण के माध्यम से प्रधानमंत्री जी देश के ऐसे प्रेरणादायी प्रयासों और व्यक्तित्वों को सामने लाते हैं, जो समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहे हैं।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरिश श्रीवास्तव, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकरण पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, श्री विमल गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि कौलेश्वर रजक, सुमन राय, रामअवतार शर्मा, बलराम शर्मा, बिरजू रवि, श्री रामजी कुशवाहा, रवि गुप्ता, परमेश्वर गोप, गोबिन्द यादव, फुलवा देवी, गुड़िया देवी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रेल ट्रैक पर मिला 56 वर्षीय व्यक्ति का शव, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

खलारी। मैकलुस्कीगंज थाना क्षेत्र के मुंडा धौड़ा के समीप रविवार सुबह रेल ट्रैक पर एक 56 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान शिवचरण राम के रूप में हुई है। प्रारंभिक आशंका है कि उनकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है, हालांकि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार शिवचरण राम पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शनिवार को उनकी पुत्री और दामाद उनसे मिलने घर पहुंचे थे। परिवार के साथ समय बिताने के एक दिन बाद ही रविवार सुबह उनके निधन की सूचना मिलने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और बड़ी संख्या में लोग मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देने लगे।घटना की सूचना मिलते ही मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, अवर निरीक्षक बिरजू प्रसाद तथा रेल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। बाद में पोस्टमार्टम के लिए शव को रिम्स, रांची भेज दिया गया।पुलिस का कहना है कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्य तथा अन्य तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट किया जाएगा कि मामला केवल रेल दुर्घटना का है या इसके पीछे कोई अन्य वजह भी है। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

कारगिल विजय दिवस पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

हजारीबागः कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद ने हजारीबाग स्थित शहीद स्मारक परिसर में देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर सादर नमन किया।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देशवासियों के लिए गर्व, श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत एक अत्यंत भावनात्मक अवसर है। यह पावन दिवस भारतीय सेना के उन वीर जवानों की अदम्य शौर्यगाथा का स्मरण कराता है, जिन्होंने कारगिल की दुर्गम और बर्फीली चोटियों पर विषम परिस्थितियों के बीच अद्भुत साहस, पराक्रम और वीरता का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा की।

उन्होंने कहा कि देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए भारतीय सेना के वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देने में भी संकोच नहीं किया। कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र के इतिहास में सदैव स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा, त्याग, समर्पण और मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता रहेगा।

भगवा ध्वज समिति द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि एवं हवन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विधायक प्रदीप प्रसाद ने अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों के प्रति देश सदैव कृतज्ञ रहेगा। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर उन्होंने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी अमर शहीदों को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों का साहस और पराक्रम प्रत्येक भारतीय के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

सावन उत्सव मेले का रंगारंग समापन: चौकी ढाणी सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता सभी का दिल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : अग्रवाल महिला मंडल द्वारा अग्रसेन भवन में आयोजित दो दिवसीय सावन उत्सव मेला का रविवार को हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सफल समापन हुआ। शनिवार और रविवार तक चले इस मेले में शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। मेले में खरीदारी, मनोरंजन, पारंपरिक संस्कृति और स्वादिष्ट व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिला।

मेले में 20 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे, जहां महिलाओं एवं स्थानीय उद्यमियों ने परिधान, ज्वेलरी, होम डेकोर, हस्तशिल्प, उपहार सामग्री सहित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की। वहीं गेम्स जोन और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल पर लोगों की खासी भीड़ रही।इस बार मेले का मुख्य आकर्षण जयपुर की पारंपरिक थीम पर तैयार ₹चौकी ढाणी₹ सेल्फी प्वाइंट रहा। राजस्थानी संस्कृति की झलक से सजा यह सेल्फी प्वाइंट हर आयु वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहां लोगों ने परिवार और मित्रों के साथ यादगार तस्वीरें खिंचवाईं।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नृत्य, संगीत और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

मेले के सफल आयोजन में अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्षा सोनल अग्रवाल, सचिव राखी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पूजा मुनका सहित मंडल की सभी सदस्याओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन की संपूर्ण व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में सभी ने मिलकर सराहनीय योगदान दिया।अध्यक्षा सोनल अग्रवाल ने मेले की सफलता पर सभी आगंतुकों, प्रतिभागियों, स्टॉल संचालकों, सहयोगियों एवं महिला मंडल की सदस्याओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ महिलाओं को स्वरोजगार और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। दो दिनों तक चले इस आयोजन ने सावन के उल्लास, पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक सौहार्द का सुंदर संदेश दिया।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम

डा. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

योगेश कुमार गोयल

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

अब्दुल कलामः सत्ता नहीं, संस्कारों से बने महान...

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान् वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

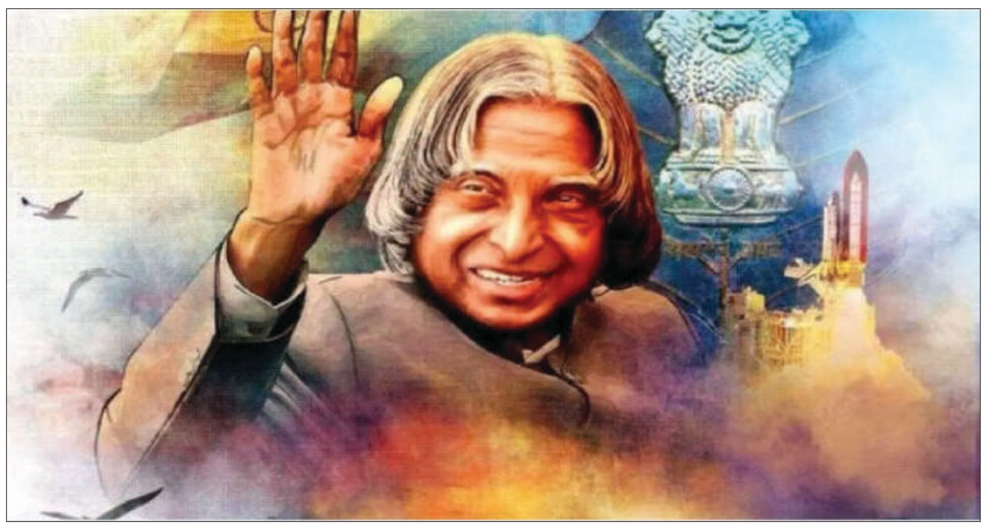

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020ः ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान् विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

शर्तों की मोहताज संसद

संसद के मानसून सत्र के पांच दिन बीत चुके हैं। कोई काम नहीं, कोई चर्चा नहीं, सिर्फ हंगामा और नारेबाजी...! संसदीय व्यवस्था के अनुसार, 45 करोड़ रुपए से अधिक फुंक चुके हैं। यह किसी सरकार, विपक्ष या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। करदाता ने दी थी, ताकि संसद चल सके। संसद के पटल पर सिर्फ वे कागजात या रपटें रखी जा सकी हैं, जिनकी औपचारिकता विधायी तौर पर अनिवार्य होती है। स्पीकर, सभापति और पीठासीन अधिकारी आसन पर आकर बैठते हैं, विपक्ष के हंगामा करते सांसदों को 'उपदेश' देते हैं, अंततः सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ती है। विपक्ष और प्रदर्शनकारी बखूबी जानते हैं कि यदि बर्फ पिघलेगी और कोई समाधान निकलेगा, तो वह सिर्फ और सिर्फ संसद में चर्चा के बाद ही निकलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा। सडकों पर नारेबाजी और हुड़दंग मचाने से कोई भी विधायी व्यवस्था नहीं बन सकती। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लगभग समूचे विपक्ष की यह शर्त है कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए अथवा प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें। उसके बाद ही संसद में चर्चा संभव है। जंतर-मंतर पर बीते 35 दिनों से प्रदर्शन कर रहे युवाओं की भी यही शर्त है। बहरहाल हर सड़किया प्रदर्शनकारी की शर्तों के मुताबिक, न तो संसद चलती है और न ही बहस की दिशा और आधार तय होते हैं। इस देश में संसद और आंदोलनकारी दोनों ही स्वतंत्र हैं। शुक्रवार, 24 जुलाई, की सुबह एक सुखद खबर मिली कि देर रात करीब 12.40 बजे सोनम वांगचुक ने 26 दिन से जारी अपना अनशन तोड़ दिया। केंद्रीय मंत्रियों-जेपी नड्डा और डॉ. जितेन्द्र सिंह-ने 'मेदांता'अस्पताल जाकर उन्हें जूस पिलाया और यूं वांगचुक का अनशन टूटा। अब उन्हें प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आह्वान करना चाहिए कि आंदोलन समाप्त करो, सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर कुछ समय दो, लेकिन वांगचुक ने ऐसा नहीं किया है, हालांकि आंदोलनरत कॉकरोचों ने अनशन तोड ? को बड़ी राहत माना है। बहरहाल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की शर्त वांगचुक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की नहीं है। वे बेहतर शिक्षा-व्यवस्था और पेपरलीक सरीखे राष्ट्रीय मुद्दे पर संसद के भीतर सकारात्मक चर्चा के पक्षधर हैं। मंत्री का इस्तीफा तो कभी भी हो सकता है, लेकिन सरकार के विरोध में सबसे बुलंद और

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

जय और पराजय की सोच से बाहर निकलें योद्धा

सनत जैन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष इसे अपनी सबसे बड़ी जीत बता रहा है। पिछले 12 साल की मोदी सरकार के दौरान जितने भी आंदोलन हुए हैं, उन आंदोलनो में निश्चित रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बेनर तले हुआ आंदोलन प्रभावी रहा, प्रदर्शनकारियों को भारी जीत मिली है। युवाओं के मन से डर और भय पूरी तरह से बाहर निकल गया है। वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए स्वयं तैयार हो गए हैं। नेतृत्व तो एक मुखौटा है। इस सत्य को युवा शक्ति, सरकार और विपक्ष को स्वीकार करना होगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जो नेतृत्व कर रहे हैं, ना तो उनकी कोई पहचान है, नाही उनकी कोई विश्वसनीयता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी जिसमें उन्होंने युवा बेरोजगारों को फर्जी डिग्री धारी मानकर उन्हें कॉकरोच कह दिया था। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया करोड़ों युवाओं में हुई है। 30 करोड़ से ज्यादा युवा जो कई साल पहले स्नातक- परास्नातक और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियां लेकर सड़कों पर बेरोजगार के रूप में घूम रहे हैं। उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी। सहानुभूति के स्थान पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच कह दिया गया। जब वह अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतरते थे, तब उन पर सरकार द्वारा लाठियां बरसाई जाती थीं, सरकार द्वारा उनके ऊपर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डरा और धमकाकर चुप करा दिया जाता था। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी ने पढ़े लिखे डिग्री धारी बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उस आग में घी डालने का काम किया था। यह आग अब बुरी तरह से सारे देश में फैल चुकी है। इन्हें एक नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म मिला। देशभर के सारे युवा अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसमें जंतर-मंतर और कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है।

12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इसका असर होना तय है। अभी तक जो लोग डरे हुए थे, उनका डर और भय इस आंदोलन के बाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। केवल युवा ही नहीं अन्य वर्ग के लोग भी अब सरकार के सामने खड़े होने की हिम्मत कर पा रहे हैं। सभी वर्ग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने मुखर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी है, वह बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको बदले। मोदी सरकार के बारे में यह कहा जाता है, वह अपने अपमान को कभी भूलते नहीं है। समय आने पर तिगुने वेग के साथ हमला कर सामने वाले को पूरी तरह से नेस्त-नाबूत कर देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ताजा उदाहरण हैं। नीतीश कुमार भी अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहे। उनकी पार्टी और उनका भविष्य अब भाजपा के रहमों करम पर है। ऐसी स्थिति में लोगों को आशंका है, आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार जल्द ही बदले की कोई कार्रवाई करेगी। किसान आंदोलन खत्म करने के समय जो वादे सरकार ने किये थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। किसान संगठन एक बार फिर सड़कों में आने की तैयारी कर रहे है। कॉकरोच जनता पार्टी का जो शीर्ष नेतृत्व है, वह जिस तरह से जीत का जश्न मना रहा है, भाजपा को लग रहा है, वह कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से युवाओं को जैसा चाहेगी वैसा नचा सकती है। यह भविष्य में संभव नहीं होगा। युवाओं के बीच विस्वसनीयता के साथ राहुल गांधी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अन्ना आंदोलन के बाद मोदी सरकार का बनना, केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी का इतिहास सारे देश के सामने है। मोदी सरकार में जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट था, जिसे किसी भी कारण से सरकार को उसके पद से हटाना पड़ा। उसके बाद उसे मोदी सरकार ने पुरस्कृत ही किया है। मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से यही करती आ रही है। धर्मेंद्र प्रधान को वह किस रूप से पुरस्कृत करेगी, यह अभी से चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। दोनों ही पक्षों को जय और पराजय से बाहर निकलकर युवाओं और देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना होगा। सरकार को विपक्ष के साथ भी चर्चा करके आम सहमति बनानी होगी। परिस्थितियाँ अब पूरी तरह से बदल गई हैं। सब अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्तित्व की लड़ाई में जंगल का कानून लागू होता है। इसमें या तो शिकार मरता है या शिकारी मरता है। युवाओं के इस आंदोलन ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिला दी है। उस समय भी देश का युवा आजादी की लड़ाई में बिना डर-भय के सड़कों पर आ गया था।

इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश

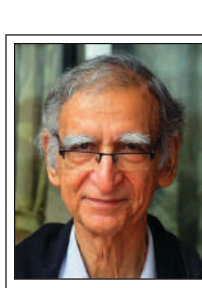

राम पुनियानी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आजम खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ढ़हाए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एक छात्रा मेहरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शुल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के माता-पिता का देहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां बी. फार्मा और डी. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।'

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिलान्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमतियां एव स्वीकृतियां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमतियां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निमार्णों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निमार्णों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या ढहाए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकताओं/राजनीतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांचों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को ढहाया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वाग्देवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा जताने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरूपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतर्कों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बढ़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद के अलावा सभी उपासना स्थलों के मामलों में 15 अगस्त 1947 की स्थिति बनाए रखने की बात करता है।

इस सिलसिले की शुरूआत हिन्दू दक्षिणपंथियों के बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला ह्यजनभावनाओंह्य और न्यायाधीशों के ह्यसपने में भगवान के आने परह्य आधारित था, फैसले में यह माना गया कि 1949 में वहां रामलला की मूर्ति की स्थापना किया जाना एक अपराध था। इसी तरह 6 दिसंबर 1992 को मस्जिद को ढहाए जाने को भी अपराध माना गया। इस घटना ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया, जो अंततः 1996 में पहली बार, उसके बाद 1999 में और अंततः 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

लेकिन बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने से भाजपा को जो लाभ मिला, उससे भाजपा-आरएसएस के मन में यह लालच आया कि इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और अधिक कामयाबी हासिल की जा सकती है। इसलिए वह अन्य स्थानों के संबंध में ऐसे ही दावे करती रही और न्यायपालिका 1991 के अधिनियम को नजरअंदाज करते हुए इन दावों के संबंध में जांच-पड़ताल करने का आदेश देती रही जिससे ध्रुवीकरण बढ़ा और हिन्दू राष्ट्रवादियों को जबरदस्त फायदा हुआ। हिन्दू दक्षिणपंथी विचारकों के उर्वर दिमागों में अब एक विश्वविद्यालय को निशाना बनाने का विचार आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्धेश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानीं थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए येन केन प्रकारेण मुस्लिमों के निमार्णों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्यराष्ट्रनिर्माणह्य का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रत्ती भर परवाह नहीं है।

आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एम्स, सार्वजनिक क्षेत्र के कल-कारखानों और सिंचाई की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निमार्णों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनैतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्बुद्धि आएगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्यवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निमार्णों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है– एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद क्षुधाग्नि से पीड़ित होकर वे कृष्णवर्ण की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने उनसे कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद सहचरियों ने जब पुनः भोजन के लिए निवेदन किया, तब देवी ने उनसे कुछ देर और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। इस पर सहचरियों ने देवी से विनम्र स्वर में कहा कि मां तो अपने शिशुओं को भूख लगने पर अविलम्ब भोजन प्रदान करती है। आप हमारी उपेक्षा क्यों कर रही हैं? अपने सहचरियों के मधुर वचन सुनकर कृपामयी देवी ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटा हुआ सिर देवी के बायें हाथ में आ गिरा और उनके कबन्ध से रक्त की तीन धाराएं प्रवाहित हुईं। वे दो धाराओं को अपनी दोनों सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दीं, जिसे पीती हुई दोनों प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की प्रतीक ये देवी श्वेतकमल पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योनिचक्र है। कृष्ण (तम) और रक्त (रज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश काटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत है। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा का निर्देश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रंथियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रम्हाग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि कहा गया है। मूलाधार में ब्रम्हग्रन्थि, मणिपूर में विष्णुग्रन्थि तथा आज्ञाचक्र में रुद्रग्रन्थि का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरुढ़ हैं, इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रग्रन्थि का भेदन होता है।

छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचनी नाम शाक्तों, बौद्धों तथा जैनों में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं, कमल विश्वप्रपंच है और कामरति चिदानन्द की स्थूलवृत्ति है। बृहदारण्यक की अश्वशिर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गाणपत्यों के छिन्नशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपासक थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचनीया कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाड़ी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचनीया कहते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।

सोमवार को ही
शिव का वार क्यों कहा जाता है

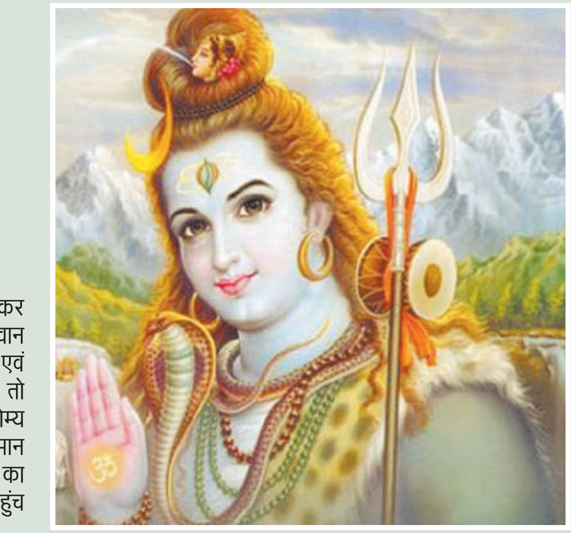

पुराणशिरोमणि शिवमहापुराण के अनुसार– आरोग्यंसंपद चैव व्याधीनांशांतिरेव च। पुष्टिरायुस्तथाभोगोमृतेर्हानिर्यथाक्रमम॥
अर्थात स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग–नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए रविवार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलप्रद हैं। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटायमान होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, कलंकी, कामी, वक्री एवं क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य देंगे। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोगों ने शिव का वार बना दिया और सोम का अर्थ सौम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समाधिस्थ देवता हैं। इस सौम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने वाला परमेश्वर ही है। मन की चेतनता को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुंच सके इसलिए देवाधिदेव भूतभावन पूतपावन परमेश्वर की उपासना सोमवार को की जाती है।

जप में माला का प्रयोग
क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्याताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यज्ज्सं, तत्सर्वं निष्फलं भवेत। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगूठे और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और उंगूठे से जप किया जाता है।

धरती पर
ब्रह्माजी का निवास
पुष्कर तीर्थ

जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का संगम स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मंदिरों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मंदिर के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। इसे भगवान ब्रह्मा का निवास स्थान भी कहा जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक मनोहर झील है जिसे पुष्कर झील के नाम से जाना जाता है। पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमपावन स्थान के रूप में जानी जाती है। कार्तिक के महीने में श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर इस पवित्र झील में डुबकी लगाते हैं।

धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थो में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है । बद्रीनारायण, जगन्नाथ, रामेश्वरम, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार भगवान ब्रह्मा त्रिदेवों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य ,जीवन चक्र (जन्म,पालन,विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को दाढ़ीयुक्त चार सिरों वाला ,जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के प्रत्येक हाथ में वेद (ज्ञान) हैं। बह्मा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ वह सबसे शुभ समय पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें इन्तजार करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री जो कि एक ग्वालिन थी, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयी। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिघल गयी और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहाँ के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। इससे पानी की तीन बूदें पृथ्वी पर गिर गयी, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

ब्रह्मा मंदिर

चमक दमक से युक्त पुष्कर कस्बा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर का निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इसे चाँदी के सिक्कों से सजाया गया है। इन चाँदी के सिक्कों पर दानदाता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवालों पर भी दानदाताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। ज्ञान की देवी सरस्वती के वाहन मोर के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चौमूर्ति कहा जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजे चांदी के बने हैं। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उतना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर समय के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भगवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

पुष्कर मेला

पुष्कर मेला, ऊंट मेला के लिए जाना जाता हैं। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में अकेला है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपने ऊटों और अन्य पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छोटा कस्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग–बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भांड, साधू, पर्यटक यहां पहुंचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महीने के अष्टमी के दिन मेला शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक चलता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डूबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊटों, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यादगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊटों और घोड़ो की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊटों की दौड़ पशु प्रमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहां अलग–अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूब भीड़ उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रायों के जीवन भर का अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

लोकतंत्र में जवाबदेही को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता : शशि थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सरकार द्वारा छात्रों की सभी मांगों को भी मान लिया गया। इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन को खत्म करने का ऐलान कर दिया। इस मामले पर अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर का भी बयान सामने आया है। थरूर ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा भी तब आया है जब संसद मार्च करने वाले छात्रों के ऊपर पुलिस ने बर्बरता से हमला किया था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर शशि थरूर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा इस बात की स्वीकारोक्ति है कि लोकतंत्र में जवाबदेही को अनिश्चित काल के लिए नहीं टाला जा सकता। यह इस्तीफा देश भर में दृढ़तापूर्वक, शांतिपूर्ण और प्रतिबद्ध आवाज उठा रहे छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों के हफ्तों लंबे शांतिपूर्ण संघर्ष के बाद आया है। शशि थरूर ने लिखा कि यह तब आया है जबकि असंख्य युवा भारतीय नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के अपने लोकतांत्रिक अधिकार के कारण पुलिस की बर्बरता का अनुचित रूप से सामना करना पड़ा। इसकी चिंता हर नागरिक को होनी चाहिए, चाहे उसकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, लेकिन जवाबदेही एक इस्तीफे से खत्म नहीं होती।

दीपके बिहार आकर सम्राट चौधरी की सरकार उखाड़ फेंकिए तेज प्रताप यादव ने दिया न्योता

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है। जेजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान कर दिया है। तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर एक बेहद चौंकाने वाला और आक्रामक पोस्ट साझा कर विपक्षी खेमे में हलचल तेज कर दी है। तेज प्रताप यादव ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके से तुरंत बिहार आने की विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि सूबे के मौजूदा सियासी हालात को देखते हुए अब एक बड़े और कड़े जनांदोलन की सख्त जरूरत है। तेज प्रताप ने अभिजीत दीपके से आग्रह किया है कि वे बिहार की धरती पर कदम रखें।

कर्नाटक : सीएम शिवकुमार बोले- प्राइवेट स्कूल मालिकों को सरकारी स्कूल गोद लेने चाहिए

चित्रदुर्ग, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अच्छी शिक्षा देने के लिए राज्य के ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूलों को गोद लें। शनिवार को चित्रदुर्ग जिले में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि इसका मकसद गांव के स्कूलों को इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वालिटी दोनों में बेंगलुरु के स्कूलों के स्तर तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले प्राइवेट सेक्टर के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। उन्होंने कहा कि जो लोग बड़े प्राइवेट स्कूल चलाते हैं, वे उद्यमियों के अलावा कुछ नहीं हैं और ऐसे उद्यमियों को सीएसआर अवसर पर पैसा खर्च करना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने प्राइवेट स्कूलों से कहा है कि उन्हें सीआरआर पॉलिसी के अनुसार पैसा खर्च करना चाहिए। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक कैबिनेट का विस्तार अगले हफ्ते होगा। कैबिनेट का विस्तार 21 जुलाई को होना था, लेकिन लोकसभा नेता राहुल गांधी के नीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण पार्टी हाईकमान इसे अंतिम मंजूरी नहीं दे सका। उन्होंने कर्नाटक लोक सेवा आयोग के चेयरमैन के निलंबन के मामले में भी भाजपा पर पलटवार करने की कोशिश की।

1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर FIR दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने शनिवार को 1980 में वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का कथित रूप से नाम जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब इस मामले में 13 अगस्त को फैसला सुनाने का आदेश दिया। याचिका वकील विकास त्रिपाठी ने दायर किया है। विकास त्रिपाठी ने सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के खारिज करने के आदेश को सेशंस कोर्ट में चुनौती दी है। 9 दिसंबर 2025 को कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने याचिका खारिज कर दिया था। याचिका में कहा गया है कि वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम 1980 में ही जुड़ गया था जबकि वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं। याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी का नाम दिल्ली के नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में 1980 में ही जुड़ गया था।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों की संपत्ति होगी जब्तः सीएम योगी आदित्यनाथ

फतेहपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और ?10 करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए ?489 करोड़ से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही 'जय श्रीराम', 'मोदी-योगी जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

कोई नहीं रोक सकता नकल माफिया को मिट्टी में मिलने से : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा

किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

पेपर लीक पर पीएम मोदी जी ने उठाए कड़े कदम : मुख्यमंत्री ने कहा कि नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी जी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। मोदी जी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिनंदनीय है।

माफिया पर नकेल कसी और दीं 9 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां : मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते।

भाजपा की जमीन पर था पूर्व सपा विधायक का कब्जा : सीएम ने कहा कि सपा के एजेंडे में विकास कभी नहीं था और न है। सपा के लोग अब बेरोजगारों की तरह घूम रहे हैं, क्योंकि ठेके, पट्टे और अवैध जमीनों पर कब्जे का उनका धंधा चौपट हो चुका है। इसलिए वे हताश-निराश बैठे हुए हैं। पहले वे किसी भी खाली जमीन या प्लॉट पर कब्जा कर लेते थे। भाजपा ने 1990 में लखनऊ में एक कार्यालय के लिए जमीन ली थी। जब कार्यकर्ताओं ने चंदा इकट्ठा कर कार्यालय निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई तो पता चला कि उस जमीन पर भी सपा के एक पूर्व विधायक ने कब्जा कर रखा था। कल हमने बुलडोजर भेजकर उस कब्जे को हटवाया है। यही इनका धंधा था। खेत बोता कोई और था, लेकिन फसल काटने ये लोग पहुंच जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गरीब को मुफ्त राशन व आवास की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत ?5 लाख तक की स्वास्थ्य सुविधा मिल रही है और गरीब के घर में रसोई गैस का चूल्हा पहुंचा है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया संसद में एनडीए पर नीट का दबाव बनाए रखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन इंडिया नीट/ सीबीएसई की गड़बड़ियों को लेकर एनडीए पर दबाव कम करने के मूड में नहीं है, जबकि देश भर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के कारण शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। एकजुट विपक्ष ने 20 जुलाई को मॉनसून सेशन शुरू होने के दिन से ही नीट पेपर लीक मामले पर जवाबदेही की मांग करते हुए संसद का कामकाज रोक दिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सदन में किसी भी बहस के लिए शिक्षा मंत्री का इस्तीफा एक शर्त है। एनडीए ने संसद में रुकावट खत्म करने की कोशिश में नीट मामले पर बहस करने की पेशकश की थी। हालांकि शनिवार को वह शर्त पूरी हो गई थी, लेकिन इंडिया. गठबंधन ने कहा कि वह सरकार पर दबाव बनाना जारी रखेगा और सोमवार को जब सदन की बैठक फिर से होगी तो विपक्ष की बाकी दो मांगों को पहले ही आगे बढ़ाएगा। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसीर हुसैन ने बताया, 'हमारी एक मुख्य मांग (शिक्षा मंत्री का इस्तीफा) पूरी हो गई है। इसका मतलब है कि संसद सोमवार से काम करना शुरू कर सकती है। हालांकि, ऐसा होने से पहले हमारी बाकी दो मांगें पूरी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री को पूरे मामले पर सदन में बयान देना चाहिए और गृह मंत्री को 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बरता पर बयान देना चाहिए, तभी हम शिक्षा सुधारों के बड़े मुद्दे पर बहस कर सकते हैं, जिसमें नीट का मामला भी शामिल है।' उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के नेता सोमवार को विपक्ष के दो नेताओं, राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में राहुल गांधी की लीडरशिप में अगले हफ्ते के लिए अपनी स्ट्रैटेजी का रिव्यू करेंगे।' सूत्रों ने कहा कि देश भर में फैल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट की वजह से सरकार को एजुकेशन मिनिस्टर का इस्तीफ़ा लेना पड़ा, इसलिए केंद्र अपनी इज्जत बचाने के लिए पेपर लीक मामलों में कड़ी कार्रवाई का सुझाव देने वाला एक बिल लाने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने आगे कहा कि बिल में जेल की सजा 2 साल से बढ़ाकर 10 साल, पेनल्टी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये करने और ऐसे मामलों का फैसला फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने का सुझाव दिया गया है। कांग्रेस के लोकसभा सांसद सप्तगिरि शंकर उलाका ने बताया, 'वे 2024 के नीट पेपर लीक के बाद पहले एक बिल लाए थे। कानून की वजह से असल में कुछ नहीं हुआ और वही घटना बिना किसी सज़ा के दोहराई गई। सिस्टम में सड़ांध बहुत गहरी है। इसलिए हमारे नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है और एजुकेशन सिस्टम में पूरी तरह से बदलाव की मांग कर रहे हैं।' हालांकि पार्लियामेंट की स्ट्रैटेजी इंडिया ब्लॉक के नेता मिलकर तय करते हैं, लेकिन एजुकेशन रिफॉर्म का मुद्दा हमारे लिए एक गंभीर मामला है। हम बीमार लोगों को ठीक करने के लिए एजुकेशन सिस्टम में सुधार की मांग करते रहेंगे।

छात्र बनकर आए और मचाया बवाल! कोलकाता हिंसा मामले में 11 गिरफ्तार, 70 की पहचान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पुलिस ने शनिवार को 11 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां एक दिन पहले छात्रों और युवाओं के जुलूस के दौरान हुई अशांति के सिलसिले में की गईं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कोई भी छात्र नहीं था और दो आरोपी दूसरे राज्य भागने की योजना बना रहे थे। उन्हें पश्चिम बर्धमान जिले के अंडाल से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस ने 24 जुलाई को कोलकाता में छात्रों की रैली के दौरान हुई हिंसा के मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा, 'कल हुई हिंसा और पत्रकारों पर हमलों के सिलसिले में कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो कल सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़-फोड़ में शामिल थे।' गिरफ्तार किए गए 11 लोगों के नाम हैं- इरफान खुर्शीद (30), अरशद अली उर्फ साजिद (50), मो. मोइनुद्दीन (26), मो. आलमगीर उर्फ राजू (48), इमरान अहमद उर्फ गोपी (19), खालिद रजा उर्फ रिंकू (47), जमीर अहमद उर्फ मिंकू (42), मोहसिन खान (30), दीपक भौमिक उर्फ विक्की (38), मो. आजाद और मो. अफरोज। एडिशनल सीपी (क्राइम) कुणाल अग्रवाल ने बताया कि मो. आजाद और मो. अफरोज पश्चिम बंगाल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें अंडाल के पास दुर्गापुर एक्सप्रेसवे पर पकड़ लिया गया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा आरोपी फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देने के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद अफरोज नाम का एक आरोपी भी शामिल है। वह कोलकाता के मेटियाब्रुज के राजाबागान इलाके का निवासी है। पुलिस ने वीडियो फुटेज देखने के बाद उसकी पहचान कर ली। पुलिस शुक्रवार से ही उसकी तलाश कर रही थी। आखिरकार, पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी युवक पश्चिम बर्धमान के अंडाल में है। कोलकाता के गार्डन रीच इलाके के निवासी मोहम्मद आजाद को भी अंडाल से गिरफ्तार किया गया।

भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भव्य सोने के आभूषणों से सजे महाप्रभु श्री जगन्नाथ, लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

पुरी, एजेंसी। भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की 'सुना बेषा' देखने के लिए लाखों भक्त पुरी के ग्रैंड रोड पर इकट्ठा हुए हैं। दर्शन शनिवार को देर रात तक जारी रहेंगे। भगवान के सोने के कपड़े (सुना बेषा) को 'बड़ा तधौ बेषा' भी कहा जाता है। परंपरा के अनुसार, बहुड़ा यात्रा (एकादशी) के अगले दिन, श्रीमंदिर के सिंहद्वार के सामने 'रथरूढ़ चतुर्धामूर्ति' (रथों पर सवार त्रिमूर्ति) को सोने के कपड़े पहनाए जाते हैं। दिन में पहले, रथ पर महाप्रभु की धूप-बत्ती की रस्म की गई। फिर पलिया भंडारी मेकप, पलिया खुंटिया के सेवक मजिस्ट्रेट, पुलिस और मंदिर के अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर के खजाने से सोने के गहने लाए। शाम 5:30 से 6:30 बजे के बीच भगवान जगन्नाथ को सोने के गहनों से सजाया गया। पौराणिक कथा के मुताबिक, रथ यात्रा के पहले दिन,

उस समय के राजा इंद्रद्युम्न ने महाप्रभु को यह दुर्लभ सोने का कपड़ा पहनाया था। बाद में, दक्षिणाण्ड की जीत के बाद, गजपति कपिलेंद्र देव 16 हाथी गाड़ियों में भरकर सोने के गहने लाए और उन्हें भगवान जगन्नाथ के चरणों में चढ़ा दिया। उस समय, राजा कपिलेंद्र देव ने तधौकरण की सलाह पर बहुदा एकादशी पर महाप्रभु का सुनहरा पहनावा किया था। चूंकि महाप्रभु का सुनहरा पहनावा सिंहासन पर किया गया था, इसलिए दूसरे वर्ग के भक्त यह नजारा देखने से वंचित रह गए थे। इसलिए, राजा की इजाजत से, रथ यात्रा की बहुड़ा एकादशी पर रथ पर त्रिदेवों का दिव्य सुनहरा पहनावा किया जाता है। चूंकि यह पहनावा तधौकरण के कहने पर किया जाता है, इसलिए रथ पर महाप्रभु के सुनहरे पहनावे को 'बड़ा तधौ बेषा' कहा जाता है। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि शनिवार शाम को रथों पर 'सुना बेषा' (सुनहरे कपड़े) की रस्म से पहले, नेशनल हाईवे-316 पर भारी ट्रैफिक जाम की खबर मिली, जो तीर्थ नगरी पुरी को भुवनेश्वर से जोड़ता है। अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा पुलिस शुक्रवार रात से पुरी-भुवनेश्वर रोड पर हर एक घंटे में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर रही है। पुलिस ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम पुरी से जारी अपनी नई एडवाइजरी में कहा है कि भुवनेश्वर की तरफ से पुरी की तरफ गाड़ियों का बहुत ज्यादा आना-जाना है, जिससे रास्ते में बहुत ज्यादा जाम लग गया है। इसमें कहा गया है कि पुरी शहर के पास एंट्री पॉइंट, माल्टीपटपुर पर इंतजार का समय अब बढ़कर लगभग 150 मिनट हो गया है और दिन चढ़ने के साथ इसके और बढ़ने की संभावना है। पुलिस ने आने-जाने वालों से कहा है कि वे अपनी यात्रा उसी हिसाब से प्लान करें और आगे की ट्रैफिक एडवाइजरी से अपडेट रहें। पुलिस ने लोगों से भी कहा है कि वे इस त्योहार के समय में ट्रैफिक को आसान बनाने और सभी भक्तों की सुरक्षा के लिए ड्यूटी पर मौजूद लोगों के साथ सहयोग करें।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अमित शाह ने कहा, बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए पद से बड़ा देश और छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा देश, युवाओं और छात्रों को किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण मानती है। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, 'बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए देश, हमारे युवा और छात्र किसी भी पद से कहीं ज्यादा जरूरी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का अपने पद से इस्तीफ़ा इसी सिद्धांत का उदाहरण है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मोदी सरकार देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है और पेपर लीक के खिलाफ जरूरी सुधार लागू करने के लिए कमिटेड है। पेपर लीक के दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मोदी जी के फैसले तारीफ के काबिल हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि इन कदमों से नीट परीक्षा में

सफल हुए स्टूडेंट्स को पूरा इंसाफ मिलेगा।' शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल के बारे में बताते हुए शाह ने कहा, 'अपने कार्यकाल के दौरान, धर्मेंद्र प्रधान ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को असरदार तरीके से लागू करने, पीएम श्री स्कूलों को बढ़ाने, डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने, स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री-एकेडेमिया के बीच तालमेल को मजबूत करने में बड़े सुधार किए हैं। उनका कार्यकाल भारत को एक विकसित देश बनाने के उनके इरादे के प्रति उनके समर्पण का सबूत है।' इस बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधान के इस्तीफे के बाद उनका 'दिल भारी' है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर कहा, 'आज जब धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से अपना इस्तीफा दिया तो मेरा 'दिल भारी' है। पब्लिक लाइफ में अक्सर मुश्किल फैसले लेने पड़ते हैं, लेकिन देश बनाने में उन्होंने जो योगदान दिया है, वह पीढ़ियों तक याद रहेगा। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के जरिए उन्होंने एक ऐसे एजुकेशन सिस्टम की नींव रखी जो मजबूत बुनियादी लिटरेसी को बढ़ावा देता है। मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग को बढ़ावा देता है और हमारे युवाओं को ग्लोबल स्टेज पर कॉन्फिडेंस के साथ मुकाबला करने के लिए एडवांस्ड स्किल्स से तैयार करता है। उनका विजन सिर्फ पढ़ाना नहीं था, बल्कि हर युवा भारतीय को भारत के मूल्यों से जुड़ा एक ग्लोबल नागरिक बनने के लिए मजबूत बनाना था।' नीट पेपर लीक पर स्टूडेंट्स के विरोध के बाद प्रधान ने पद छोड़ दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि उन्होंने स्टूडेंट्स के हित में और यह पक्का करने के लिए कि परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर चल रहे विरोध का फायदा 'देश-विरोधी ताकतें' न उठा पाएं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर विवाद, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने माफी मांगने को कहा

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर यह आरोप लगा है कि उन्होंने आतंकवाद का हवाला देते हुए कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए बल प्रयोग या हिंसा को एक तरह से सही ठहराया है। इसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कथित तौर पर कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष की स्थिति होने के कारण वहां प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग कुछ हद तक समझ में आता है। अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ नई दिल्ली में जंतर-मंतर गई मुफ्ती ने कॉकरोच जनता पार्टी को समर्थन देने के दौरान यह बात कही। हालांकि, उसी वीडियो क्लिप में मुफ्ती बिना हथियार वाले स्टूडेंट्स के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की बुराई करती दिख रही हैं। मुफ्ती ने कहा, 'सिर्फ दिल्ली पुलिस ही नहीं, बल्कि दंगाई भी स्टूडेंट्स को पीटने में उनकी मदद कर रहे थे. हमने कश्मीर में कई सालों से यह देखा है, लेकिन वहां आतंकवाद है, जहां एक तरफ सुरक्षा बल हैं और दूसरी तरफ आतंकवादी हैं. इसलिए, यह कुछ हद तक समझ में आता है. लेकिन ये छात्र बिना हथियार के, अहिंसक थे और उनके पास कोई पत्थर नहीं था. फिर भी, दिल्ली पुलिस और दंगाई उन्हें बेरहमी से पीट रहे थे. मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने मुफ्ती की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और पीडीपी से माफी की मांग की. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, क्या जम्मू-कश्मीर का हर नागरिक आतंकवादी है. क्या रिजर्वेशन के मुद्दे या दूसरे मुद्दों पर प्रदर्शन करने वाले आतंकी हैं. उन्होंने महबूबा की टिप्पणी को 'शर्मनाक' बताया.

तनवीर ने कहा कि कश्मीरी भी देश के नागरिक हैं, लेकिन मुफ्ती ने कश्मीर में हर प्रदर्शनकारियों को 'मिलिटेंट' कहा है. उन्होंने कहा, 'कश्मीरी छात्र या प्रदर्शनकारी का दर्द, इज्जत और हक किसी भी दूसरे भारतीय से कम नहीं हैं. दुख की बात है कि पीडीपी अक्सर कश्मीरियों के साथ खुलकर खड़ी होने के बजाय उनके दुख को सही ठहराती रही है. यह नेतृत्व नहीं, बल्कि पद छोड़ना है.'

यह तब हुआ जब मुफ्ती और दूसरी जम्मू कश्मीर पार्टियों ने जम्मू कश्मीर को अलग राज्य बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन में शामिल होने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण को ठुकरा दिया था. 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन इस प्रदर्शन की नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लीड किया।

एनसी नेता ने दूसरे राजनीतिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए उन पर चुप रहने का आरोप लगाया, जबकि, नेशनल कॉन्फ्रेंस लोगों के हक के लिए लड़ रही थी. तनवीर ने कहा, 'यह दुख की बात है कि यहां बैठे कई राजनीतिक नेता अपने घरों से ट्वीट कर रहे थे.

करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ: राजनाथ बोले, 'देश की सेना हर चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार'

श्रीनगर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत की सेना किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि देश के दुश्मन बार-बार नाकाम होने के बावजूद प्रॉक्सी वॉर और घुसपैठ जैसी 'नापाक चालें' अपनाते रहते हैं. रविवार को सशस्त्र बल करगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मनाएंगे. यह दिवस 1999 के करगिल युद्ध में भारत को जीत दिलाने वाले ऑपरेशन विजय की सफलता की याद में मनाया जाता है. 27वें करगिल विजय दिवस की एक शाम पहले द्रास में एक यादगार कार्यक्रम के दौरान सैनिकों को संबोधित करते हुए, सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत, देशभक्ति और बलिदान सेना और देश दोनों को प्रेरणा देते रहते हैं. सिंह ने कहा, 'भले ही दुश्मन के इरादे बदले नहीं हैं और वह प्रॉक्सी वॉर (परोक्ष युद्ध) और घुसपैठ जैसे खतरनाक तरीके अपना रहा है, फिर भी भारतीय रक्षा बल किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं.' उन्होंने कहा कि करगिल लड़ाई के दौरान भारतीय सैनिकों ने जो बहादुरी दिखाई, वह आज भी हिम्मत और देश के गर्व की निशानी है. सेना पर भरोसा जताते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सुरक्षा उसके सैनिकों के पक्के इरादे पर टिकी है. उन्होंने कहा, 'जब तक देश के बहादुर सैनिकों की देशभक्ति और इरादा पक्का है, तब तक कोई भी भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत नहीं कर सकता. उनकी हिम्मत हर नागरिक को बिना किसी डर के अपने सपने पूरे करने और उन्हें पूरा करने में मदद करती है.'

सैनिकों के साथ पारंपरिक बड़ाखाना खाने पर बातचीत के दौरान, सिंह ने कहा कि, देश को करगिल में मिली जीत का जश्न मनाना चाहिए और साथ ही बदलती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति भी अलर्ट रहना चाहिए. उन्होंने कहा, 'करगिल की जीत को याद करके हमें गर्व महसूस होता है, लेकिन हमें

यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे सामने आने वाली चुनौतियां कम नहीं हुई हैं.' सिंह ने नरेंद्र मोदी सरकार के सेवारत कर्मियों और पूर्व सैनिकों की भलाई के लिए वादे को दोहराया. उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों को एडवांस्ड हथियार, बेहतर ट्रेनिंग और आधुनिक क्षमताओं से लैस करके उन्हें मॉडर्न बनाने पर ध्यान दे रही है. उन्होंने नई टेक्नोलॉजी अपनाने और भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए सेना की भी तारीफ की. सिंह ने कहा, 'यह सदी हमारी है. भविष्य भी हमारा है. आत्मनिर्भरता की दिशा में हमने जो कदम उठाए हैं, उसे देखते हुए मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी रक्षा सेना दुनिया में सबसे अच्छी बनेगी. शौर्य भोज नाम का यह यादगार कार्यक्रम द्रास के विश्वनाथन स्टेडियम में हुआ. इसमें ड्रोन, रोबोटिक खच्चरों और आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन ड्रिल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारतीय सेना द्वारा ऊंचाई वाले ऑपरेशन में टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल को दिखाया गया. इस कार्यक्रम में लद्दाख की रिच हेरिटेज दिखाने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन और छात्र की देशभक्ति वाली प्रस्तुति भी शामिल थीं. लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर बैंड ने देशभक्ति की धुनों के साथ प्रोग्राम की शुरुआत की, इसके बाद कॉर्प्स ऑफ़ मिलिट्री पुलिस सेंटर और स्कूल की श्वेत अश्व टीम ने मोटरसाइकिल का प्रदर्शन किया, जिसमें सटीक राइडिंग और प्रोफेशनल एक्सीलेंस दिखाया गया.

प्रोग्राम का समापन विजय भोज के साथ हुआ, जिसमें ऑपरेशन विजय के नायकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सेवारत सैनिक, वेटरन, गैलेंट्री अवार्ड विजेता, वीर नारी, शहीद सैनिकों के परिवार, सिविल गणमान्य और स्थानीय निवासी एक साथ आए. इससे पहले शाम को, सिंह ने करगिल वॉर मेमोरियल पर शौर्य संध्या में भाग लिया, जहां देशभक्ति के प्रदर्शन के बाद ऑपरेशन विजय के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के सम्मान में एक समारोह हुआ।

कारगिल विजय दिवसः तालझारी में शहीद सुबोध जोनाथन मरांडी को श्रद्धासुमन अर्पित

कारगिल युद्ध में सुबोध जोनाथन के वीरों का योगदान हमेशा याद रहेगा : बीडीओ

बिभा संवाददाता

तालझारी । कारगिल विजय दिवस पर रविवार को तालझारी रेलवे स्टेशन चौक स्थित कारगिल शहीद सुबोध जोनाथन मरांडी की प्रतिमा पर शहीद कि पत्नी रूथ टुडू, बीडीओ सह सीओ राम सुमन प्रसाद, रेजर पंचम दुबे, थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, ओम प्रकाश पंडित, पुर्व सीआईए रविशंकर राम, अंचल नाजीर अवधेश कुमार सहित अन्य ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने कहा की आज ही के दिन हमारे वीर सैनिकों ने अपने पराक्रम से पाकिस्तान को युद्ध में परास्त कर पूरे विश्व को स्वाभिमानी और साहसी होने का संदेश दिया था। कारगिल विजय का हिस्सा रहे सभी सैनिकों को नमन। उन्होंने कहा की कारगिल युद्ध में तालझारी की लाल ने पाकिस्तानियों के छक्के छुड़ाते हुए शहीद हो गए थे। शहीद जोनाथन को शहादत क्षेत्र को गौरवान्वित महसूस करता है। वही थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा देश के सेवा करते हुए बीर जोनाथन मरांडी शहीद हो गये ये गौरव की बात है। साथ ही कहा की हम इस अवसर पर, भारत की रक्षा करने वाले योद्धाओं के धैर्य व शौर्य को नमन करते हैं। हम सभी शहीदों के प्रति आजीवन ऋणी रहेंगे। जय हिन्द! इस दौरान शहीद सुबोध जोनाथन मरांडी की पत्नी रूथ टुडू को बीडीओ, रेंजर व थाना प्रभारी ने सॉल देकर सम्मानित किया।

सेना में भेजने से पीछे नहीं रहूंगी : रूथ

कारगिल शहीद सुबोध जोनाथन की पत्नी रूथ टुडू का कहना है कि देश के लिए जब भी परिवार के किसी सदस्य की जरूरत होगी सेना में भेजने के लिए तैयार रहूंगा। उन्हें देश के लिए कुर्बान हुए अपने पति पर गर्व है। बता झे कि शहीद की पत्नी रूथ टुडू तालझारी प्रधान टोला में अपनी एकमात्र शादीशुदा पुत्री साथ रहती हैं।

कैंडल जलाकर कारगिल के अमर शहीदों को किया नमन, वीरों के बलिदान को याद किया

साहेबगंज । कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को साहेबगंज में वीर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की और कैंडल जलाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। वहीं कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल के रणबांकुरों ने अपने अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान से देश की सीमाओं की रक्षा की। उनका त्याग हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। वहीं श्रद्धांजलि सभा में एलसीसी कंप्यूटर साहिबगंज के प्रचारक उत्तम कुमार, पूर्व सैनिक सुभाष यादव, समाजसेवी सिंघेश्वर मंडल, गोपाल चोखानी, वार्ड पार्षद, मनोज पंडित, शशि कुमार समेत कई गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने भाग लिया। सभी ने देश की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

जिप सदस्य ने तीन पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के चांदशहर पंचायत में रविवार को जिला परिषद सदस्य सहनारा बीबी ने जिला परिषद मद से बनने वाली तीन पीसीसी सड़क निर्माण योजनाओं का फीता काटकर शिलान्यास किया। जानकारी के अनुसार शमशेर शेख के घर से मंगलू शेख के घर एवं इनाम शेख के घर से अतरूल शेख के घर तथा अताहूल शेख के घर से नस्सू शेख के घर तक पीसीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इन तीनों योजनाओं पर 7,48,700 रुपये की लागत आएगी। जिसका निर्माण जिला परिषद मद से कराया जाएगा। शिलान्यास के बाद लोगों को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य सहनारा बीबी ने कहा कि चांदशहर पंचायत की ये सड़कें लंबे समय से जर्जर अवस्था में थी। बरसात के दिनों में ग्रामीणों को कीचड़ और जलजमाव के कारण आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए उन्होंने संबंधित विभाग से पहल कर अपने मद से इन सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दिलाई। उन्होंने विश्वास जताया कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मौके पर जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि अजरूद्दीन शेख,मुखिया मो. मुस्ताकिम, जहांगीर शेख,मनोज मंडल,जमशेद शेख, हजरत शेख,सैफुद्दीन शेख सहित अन्य मौजूद थे।

दुमका में युवक की कुल्हाड़ी से हत्या, दोस्त पर आरोप, प्रेम प्रसंग के एंगल से जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

दुमका। जिले में एक युवक की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के दोस्त पर हत्या का आरोप दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे कथित प्रेम संबंध का एंगल भी सामने आया है, हालांकि पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक शुक्रवार को दूसरे गांव स्थित अपने मित्र के घर गया था और रात वहीं रुका था। आरोप है कि शनिवार दिन में जब वह खटिया पर सो रहा था, तभी उसके मित्र ने कुल्हाड़ी से उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता ने आरोप लगाया है कि उनके पुत्र की हत्या उसके दोस्त ने ही की है। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरोपित की पत्नी और मृतक के बीच कथित रूप से नजदीकी संबंध थे। ग्रामीणों का अनुमान है कि इसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद यह घटना घटी। हालांकि पुलिस ने इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है। थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि पूछताछ के दौरान ऐसी जानकारी सामने आई है कि मृतक और आरोपित की पत्नी के बीच कथित नजदीकी संबंध थे। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिशु का नामकरण संस्कार, 'कृषव राज' रखा गया नाम

साहेबगंज (बिभा)। शहर के गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को वैदिक परंपरा के अनुसार नामकरण संस्कार का आयोजन किया गया। यज्ञशाला में हुए इस संस्कार में पुरानी साहेबगंज निवासी अमित कुमार चौरसिया एवं शिल्पी कुमारी के शिशु का नाम 'कृषव राज' रखा गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुरोहित करुणामई भारती ने नाम की घोषणा कर नवजात को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए करुणामई भारती ने कहा कि नाम केवल पहचान का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व और मनोभावों पर भी उसका प्रभाव पड़ता है। इसलिए बच्चों के नाम सकारात्मक और प्रेरणादायी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे नाम से व्यक्ति में आत्मविश्वास और श्रेष्ठ संस्कारों का विकास होता है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ में पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कारों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ लेने की अपील की। मौके पर संगीता कुमारी, निभा देवी, मधु कुमारी, अनिता देवी, जिला समन्वयक शिवशंकर प्रसाद निराला, शक्तिपीठ पुरोहित राजेंद्र प्रसाद, सत्यदेव प्रसाद सिंह सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला, छानबीन में जुटी पुलिस

राधानगर/उधवा (बिभा)। राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिम प्राणपुर स्थित बोरक टोला में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर कथित रूप से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर पीड़ित अरवज शेख (19) वर्ष ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत देकर सात लोगों पर घर में घुसकर मारपीट,लूटपाट और जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि बीते 24 जुलाई की शाम करीब सात बजे आरोपित ग्रील गेट तोड़कर हथियारों से लैस होकर घर में घुस आए। आरोप है कि एक आरोपी ने लोहे के सब्बल से अरवज शेख के सिर पर वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद अन्य आरोपियों ने भी लात-घूंसों, ईंट और लोहे के सब्बल से उसकी बेरहमी से पिटाई की। बीच-बचाव करने पहुंचे मानसूर शेख और मसरुद्दीन शेख के साथ भी मारपीट की गई। वहीं पीड़ित की मां के साथ कथित रूप से धक्का-मुक्की कर गले से सोने का लॉकिट छीन लिया गया। आरोप है कि हमलावर घर का बक्सा तोड़कर उसमें रखे 80 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। फिलहाल घायल अरवज शेख का इलाज राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित ने सभी नामजद आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

श्रावणी मेलाः देवघर जिला सीमा में डबल डेकर वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध

देवघर(बिभा) : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के पावन अवसर पर बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले देश-विदेश के लाखों देवतुल्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुलभ दर्शन सुनिश्चित करने के लिए देवघर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। विश्व प्रसिद्ध मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण, सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था और किसी भी प्रकार के हादसों से बचने के लिए देवघर जिला सीमा के भीतर डबल डेकर वाहनों के प्रवेश को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। श्रावणी मेले की पूरी अवधि के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह प्रतिबंध सख्ती से लागू रहेगा। यातायात नियमों के सुचारू संचालन के लिए सीमाओं पर पुलिस बल और जांच चौकियां तैनात की गई हैं, ताकि कोई भी प्रतिबंधित वाहन जिला सीमा में प्रवेश न कर सके। बाबा की नगरी देवघर में आने वाले सभी शिवभक्त हमारे लिए देवतुल्य हैं। उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी वाहन मालिकों, चालकों और श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे इस सुरक्षा व्यवस्था में प्रशासन का सहयोग करें। यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें और बाबा की नगरी से सुरक्षित व सुखद सफर का अनुभूति लेकर जायें।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

गोड्डा(बिभा)। जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक गोड्डा को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महागामा थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव स्थित एक पान गुमटी में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मो निसार आलम की पान गुमटी से एक युवक को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सरफराज असारी (18) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपित के पास से काले रंग के पॉलीथिन में रखे पारदर्शी प्लास्टिक की 80 पुड़िया में कुल 490 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस संबंध में महागामा थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और अन्य संलिप्त लोगों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

पीएम मोदी के वर्चुअल संवाद से साहेबगंज के युवाओं में जोश 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को मिले नए साथी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज के युवाओं ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ आयोजित 'विकसित जीवंत ग्राम कार्यक्रम के वर्चुअल संवाद में भाग लेकर विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने का भरोसा जताया। जिला समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार में मेरा युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे युवाओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को लाइव सुना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी साकार होगा, जब देश का युवा अपनी ऊर्जा, कौशल, नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ आगे आए। उन्होंने आत्मनिर्भर गांवों को विकसित भारत की मजबूत नींव बताते हुए ग्रामीण विकास, डिजिटल सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया। वहीं कार्यक्रम में मौजूद युवाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों ने उन्हें अपने गांव और समाज के विकास के लिए नई प्रेरणा दी है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने और सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। वहीं जिला युवा अधिकारी सौरभ पांडे ने कहा कि मेरा युवा भारत का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौके पर चंदन कुमार, राहुल कुमार यादव, कौशर अंसारी, अजय कुमार मंडल, गौरव कुमार सुमन, बिशाल ठाकुर, कृष्णा कुमार यादव, रितेश कुमार, विनय टुडू, बेटालाल मुर्मू, जोसेफ सोरेन, हरिओम गुप्ता, सौरभ कुमार गुप्ता, लक्ष्मी कुमारी, सुहागनी मुर्मू, मोहन कुमार, ऋषभ कुमार सिंह और नतुवा मुर्मू सहित बड़ी संख्या में युवा, जिला प्रशासन के पदाधिकारी, मेरा युवा भारत के प्रतिनिधि एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन ₹विकसित भारत 2047₹ के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के आह्वान के साथ हुआ।

100% फॉर्म वितरण के बाद अब डिजिटाइजेशन और सत्यापन पर फोकस, एसाईआर-2026 अभियान तेज

बिभा संवाददता

साहेबगंज । भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान के तहत साहेबगंज जिले में डिजिटाइजेशन एवं सत्यापन का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दीपक कुमार दुबे के मार्गदर्शन में सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी , सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बूथ लेवल ऑफिसर एवं सुपरवाइजर मिशन मोड में अभियान का संचालन कर रहे हैं। वहीं राजमहल, बोरियो और बरहेट विधानसभा क्षेत्रों के कुल 8,72,148 मतदाताओं को 100 प्रतिशत एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित कर दिए गए हैं। इनमें से 7,74,131 (88.76 प्रतिशत) फॉर्म का डिजिटाइजेशन तथा 7,73,612 (88.69 प्रतिशत) फॉर्म का बीएलओ द्वारा सत्यापन पूरा किया जा चुका है। वहीं अभियान में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली है। अब तक 2,090 मतदाताओं ने स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपना एन्यूमरेशन फॉर्म सफलतापूर्वक जमा किया है। वहीं उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को शेष डिजिटाइजेशन और सत्यापन कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि जिन्होंने अभी तक अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किया है, वे 29 जुलाई 2026 से पहले सही एवं पूर्ण रूप से भरा हुआ फॉर्म अपने संबंधित बीएलओ के पास जमा कर विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

विधानसभावार प्रगति

राजमहल विधानसभा
कुल मतदाता : 3,61,894, फॉर्म वितरण : 100%, डिजिटाइजेशन : 3,39,182 (93.72%), बीएलओ सत्यापन : 3,38,933 (93.65%)
ऑनलाइन फॉर्म : 1,123

बोरियो विधानसभा
कुल मतदाता : 2,87,298, फॉर्म वितरण : 100%, डिजिटाइजेशन : 2,45,431 (85.43%), बीएलओ सत्यापन : 2,45,250 (85.36%)
ऑनलाइन फॉर्म : 597

बरहेट विधानसभा
कुल मतदाता : 2,22,956
फॉर्म वितरण : 100%, डजिटाइजेशन : 1,89,518 (85.00%), बीएलओ सत्यापन : 1,89,430 (84.96%),
ऑनलाइन फॉर्म : 370

शहर के पावर सब-स्टेशन को मिली नई ताकत, 10 एमवीए ट्रांसफार्मर से सुधरेगी बिजली व्यवस्था

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शहर की बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में रविवार को अहम कदम उठाया गया। विद्युत सब-स्टेशन में लंबे समय से खराब पड़े 10 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह नया 10 एमवीए ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया। इसके चालू होने से शहर के हजारों उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है। वहीं ट्रांसफार्मर बदलने का कार्य सुबह करीब 9:30 बजे शुरू हुआ, जिसके लिए बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद रखी गई। अधीक्षण अभियंता राजकुमार के निर्देशन तथा कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी की देखरेख में डीबीएल कंपनी की 80 टन क्षमता वाली क्रेन से नए ट्रांसफार्मर को स्थापित किया गया। कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी ने बताया कि पुराना ट्रांसफार्मर कई महीनों से खराब था। नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध होते ही उसे बदलने की प्रक्रिया पूरी की गई। इससे अब बिजली आपूर्ति पहले की तुलना में अधिक विश्वसनीय होगी और ओवरलोड की समस्या में भी कमी आएगी। ट्रांसफार्मर प्रतिस्थापन के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों में रोटेशन के आधार पर बिजली आपूर्ति की गई, ताकि उपभोक्ताओं को पूरी तरह बिजली संकट का सामना न करना पड़े। हालांकि कई क्षेत्रों में लोगों को लंबे समय तक बिजली बहाल होने का इंतजार करना पड़ा। मौके पर सहायक अभियंता ज्ञानचंद, कनीय अभियंता नीलगगन, ग्रामीण एसडीओ शिवम पांडे, संतोष कुमार, विशाल कुमार, परवेज अंसारी, सोहन लोहरा, इफ्तेखार अंसारी, राजकुमार तांती, पप्पू, भोला, हिमालय, अमित, आकाश, मुकेश समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जिला स्तरीय मल्टी स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन आयोजित

बाल हितैषी न्याय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने पर हुआ मंथन, विधिक जागरूकता प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में ₹पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन₹ विषय पर जिला स्तरीय मल्टी स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के साथ-साथ विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम-सह-विशेष न्यायाधीश पॉक्सो गुलाम हैदर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव, जिला लोक अभियोजक अनुराग शुक्ला, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, स्वास्थ्य विभाग के डॉ. मुकेश कुमार एवं डॉ. मोहन मुर्मू, पुलिस पदाधिकारीगण, जिला बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि, लीगल एड डिफेंस कार्उसिल, विधिक सहायता अधिवक्ता, पारा विधिक स्वयंसेवक - न्याय मित्र तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश पॉक्सो गुलाम हैदर ने पॉक्सो अधिनियम 2012 के उद्देश्य उसकी आवश्यकता एवं प्रभावी क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाला एक विशेष एवं बाल हितैषी कानून है, जिसका उद्देश्य पीड़ित बच्चों को सुरक्षित वातावरण में त्वरित, निष्पक्ष एवं संवेदनशील न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पुलिस, अभियोजन, स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, विधिक सेवा प्राधिकार तथा न्यायपालिका सहित सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित हैं, जिनका समन्वित एवं समयबद्ध निर्वहन अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने पॉक्सो मामलों में अनुसंधान की विधि पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक मामले में निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना होनी चाहिए। घटनास्थल का विधिवत निरीक्षण, भौतिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का संरक्षण, पीड़ित एवं गवाहों के बयान का समय पर संकलन तथा फोरेंसिक साक्ष्यों का समुचित उपयोग न्यायिक प्रक्रिया की सफलता के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न्याय को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी की भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि पीड़ित बच्चे से पूछताछ एवं संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान उसकी गरिमा, गोपनीयता, सुरक्षा एवं मानसिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बच्चे को किसी भी प्रकार का भय, दबाव अथवा द्वितीयक मानसिक आघात का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों का दायित्व है। वहीं सत्र न्यायाधीश हैदर ने जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण इकाई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पीड़ित बच्चों को संरक्षण, काउंसलिंग, पुनर्वास, शिक्षा की निरंतरता, चिकित्सा सुविधा, आश्रय एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिला बाल संरक्षण इकाई को बाल कल्याण समिति, विशेष किशोर पुलिस इकाई, स्वास्थ्य विभाग, विधिक सेवा प्राधिकार एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पीड़ित बच्चे के सर्वोत्तम हित की रक्षा हो तथा उसका समुचित शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से प्राथमिकी का त्वरित पंजीकरण, पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, समयबद्ध अनुसंधान एवं आरोप-पत्र समर्पित करने तथा चिकित्सकों से संवेदनशील एवं गोपनीय तरीके से चिकित्सीय परीक्षण, वैज्ञानिक ढंग से साक्ष्य संरक्षण एवं विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पॉक्सो अधिनियम का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चों को न्याय, सुरक्षा, संरक्षण एवं सम्मानजनक पुनर्वास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय एवं संवेदनशील कार्यशैली अनिवार्य है। वहीं जिला लोक अभियोजक अनुराग शुक्ला ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुलिस, अभियोजन, न्यायपालिका, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के मध्य निरंतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, समयबद्ध अभियोजन तथा साक्ष्यों के प्रभावी प्रस्तुतीकरण से ही पीड़ित बच्चों को शीघ्र न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने बाल यौन अपराधों की रोकथाम, पीड़ित बच्चों को त्वरित एवं संवेदनशील न्याय उपलब्ध कराने तथा बाल हितैषी न्याय प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उपायों पर विस्तार से अपने विचार रखे। वहीं सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार बच्चों, महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सतत कार्य कर रहा है। वहीं कार्यक्रम का समापन इस विश्वास के साथ हुआ कि न्यायपालिका, पुलिस, अभियोजन, स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, विधिक सेवा प्राधिकार एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वित, संवेदनशील एवं उत्तरदायी प्रयासों से बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी।

नेपाल में भारतीय 200 और 500 नोटों को मिली वैधता, सीमा 25,000

नौ नवंबर 2016 के बाद जारी नोटों पर लागू होगा नियम

काठमांडू ।

नेपाल ने नौ नवंबर 2016 के बाद जारी भारतीय 200 और 500 रुपये के नोटों को अपने देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रखी गई है। इस कदम से भारत और नेपाल के बीच यात्रा तथा व्यापारिक लेनदेन और सुगम हो सकेंगे। भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद नेपाल में सिर्फ 100 रुपये के भारतीय नोटों को ही लाने-ले जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने एक नया नोटिस जारी कर स्पष्ट किया कि नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अब 25,000 रुपये की सीमा के साथ मान्य होंगे। हालांकि, नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी पुराने 500 और 1,000 रुपये के नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एक एनआरबी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते और न ही ले जा सकते हैं। यह नियम 11 फरवरी को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से पहले ही लागू कर दिया गया था, लेकिन केंद्रीय बैंक ने इसे दोहराकर क्रियान्वयन को और स्पष्ट किया है। इस नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

चालू वित्त वर्ष में टाटा टेक्नोलॉजीज को बड़ी छलांग की उम्मीद

वैश्विक ऑटो निर्माताओं के बढ़ते आउटसोर्सिंग और निवेश से कंपनी को सीधा लाभ

नई दिल्ली।

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'विकास का बड़ा साल' साबित होगा। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ उन्हें मिल रहा है। अे धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध, एक जापानी ओईएम से पूर्ण वाहन इंजीनियरिंग और एक यूरोपीय लक्जरी वाहन निर्माता के साथ बहुवर्षीय समझौता शामिल है। उन्होंने मजबूत दो अंक की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य पर विश्वास व्यक्त किया। उनके अनुसार वाहन विनिर्माता अब ब्रांड से जुड़े मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, शेष इंजीनियरिंग कार्य विशेषज्ञ कंपनियों को सौंप रहे हैं। उनका मानना है कि पूर्ण वाहन विकास की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनियां ही भविष्य में सर्वाधिक लाभ कमाएंगी। कंपनी ने पहली तिमाही में 1,664.6 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व हासिल किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 33.8 प्रतिशत अधिक है। हैरिस ने इसे 'बड़ी उपलब्धि' और मजबूत वृद्धि का संकेत बताया।

टाटा कंज्यूमर की बढ़ती लागत, मुनाफे के बावजूद उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना

टाटा टी, टेटली जैसे ब्रांड्स पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली ।

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने संकेत दिया कि यदि इनपुट लागत में अस्थिरता बनी रहती है, तो वह अपने चुनिंदा उत्पादों की कीमतें बढ़ा सकती है। यह चेतावनी तब आई है जब कंपनी ने खाने-पीने की चीजों की दमदार बिक्री और ग्रामीण भारत की मजबूत मांग के कारण एक मजबूत तिमाही लाभ दर्ज किया है। कंपनी के एक कार्यकारी ने स्पष्ट किया कि कमोडिटी और पैकेजिंग की बढ़ती लागत मार्जिन पर दबाव डाल रही है, जिससे कीमतें बढ़ाना एक मजबूरी बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति ने व्यापार मार्गों को बाधित किया है और वैश्विक स्तर पर इनपुट लागत में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से यह दबाव और बढ़ गया है, जिससे भारतीय कंपनियों को अपने मार्जिन बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने, पैक का आकार घटाने या लागत में कटौती जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। 30 जून को समाप्त तिमाही में, टाटा कंज्यूमर का शुद्ध लाभ 28 फीसदी बढ़कर 4,027 करोड़ रुपये रहा, हालांकि यह विश्लेषकों के अनुमान (4,200 करोड़ रुपये) से थोड़ा कम था।

कच्चा तेल, कंपनियों के परिणाम और भू-राजनीतिक तनाव तय करेंगे बाजार की चाल

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी नजर, जो बाजार की दिशा तय करेगी

मुंबई

बीते सप्ताह पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव के चलते घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का सेंसेक्स पांच कारोबारी दिनों में 2,091 अंक लुढ़क गया। अब आने वाले सप्ताह में भी निवेशकों की नजर मुख्य रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, कंपनियों के तिमाही परिणामों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की महत्वपूर्ण बैठक पर रहेगी, जो बाजार की दिशा तय करेगी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के कारण लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, जिसके चलते बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में पांचों दिन गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित तनाव आगे भी बाजार पर दबाव बनाए रख सकता है और निवेशक इस क्षेत्र की हर खबर पर पैनी नजर रखेंगे। आने वाले सप्ताह में कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने हैं, जिनमें बीईएल, केनरा बैंक, कोल इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडटी और एशियन पेंट्स जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। इन नतीजों से कंपनियों के वित्तीय स्वास्थ्य और भविष्य की आय का स्पष्ट संकेत मिलेगा, जो बाजार के रुख को प्रभावित करेगा। इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख भी महत्वपूर्ण रहेगा; उनकी बिकवाली या लिवाली बाजार की अस्थिरता को बढ़ा या घटा सकती है। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक के फैसलों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी, खासकर ब्याज दरों को लेकर किसी भी संकेत का असर वैश्विक बाजारों पर पड़ सकता है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 23,600 का स्तर एक महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में काम कर रहा है। यदि यह स्तर टूटता है, तो बाजार में 23,300 से 23,450 तक की और गिरावट आ सकती है। वहीं ऊपर की ओर 24,000 का स्तर एक मजबूत प्रतिरोध बना हुआ है। कुल मिलाकर आगामी सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा कमजोर और सतर्क रहने की उम्मीद है।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का खुल रहा आईपीओ, जीएमपी 50 रुपए पर पहुंचा

रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुलेगा, 31 तक लगा सकेंगे दांव

नई दिल्ली।

मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने 560 रुपए से 590 रुपए प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। शुक्रवार को इसका ऐलान हुआ। इस आईपीओ पर दांव लगाने की सोच रहे निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में स्थिति अच्दी है, जिसकी वजह से पहले दिन ही पॉजिटिव लिस्टिंग की उम्मीद बंध गई है।मनीपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए 29 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 31 जुलाई तक आईपीओ पर दांव लगाने का मौका मिलेगा। इस आईपीओ का साइज 9275.22 करोड़ रुपए का है। कंपनी इश्यू के जरिए 13.56 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के जरिए 2.16 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लॉट बनाया है, जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14750 रुपए का निवेश करना होगा। बता दें, कंपनी बीएसई और एनएसई दोनों जगह लिस्ट होगी। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 56 रुपए की छूट दी है।मौजूदा बाजार की खराब स्थिति होने के बाद भी यह मेनबोर्ड आईपीओ ग्रे मार्केट में आईपीओ अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्रे मार्केट में शुक्रवार को यह 50 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड किया। आईपीओ का कम से कम 75 फीसदी हिस्सा क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा और एनआईआई के लिए भी अधिकतम 10 फीसदी हिस्सा ही इश्यू का रिजर्व रहेगा।

एचजेडएल चालू वित्त वर्ष में 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करेगी पूंजीगत निवेश

नई दिल्ली,।

मेटल किंग अनिल अग्रवाल की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत निवेश करेगी। कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का करीब 80 फीसदी हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 फीसदी राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी।सीईओ ने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं। खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्संट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं।कंपनी के सीईओ ने कहा कि बाकी 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7-8 हजार करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 फीसदी ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का मार्केट कैप 2.74 लाख करोड़ घटा

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा नुकसान, सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर फायदे में

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा झटका लगा, जबकि सिर्फ हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ही अपने

बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज कर सका। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक टूट गया, वहीं एनएसई निफ्टी भी 566.85 अंक यानी 2.32 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

इस बिकवाली के माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ,

जिसका बाजार पूंजीकरण 1,18,383.91 करोड़ रुपये घटकर 11,43,985.90 करोड़ रुपये रह गया। बैंक के शेयर में मार्जिन संबंधी चिंताओं के चलते 9.40 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

अन्य प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 65,429.82 करोड़ रुपये कम होकर 17,29,661.44 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 26,814.94 करोड़ रुपये घटकर 9,36,953.84 करोड़ रुपये पर आ गई

, जबकि बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 26,802.74 करोड़ रुपये घटकर 6,30,471.54 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 15,116.74 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,33,007.56 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की हैसियत 6,223.84 करोड़ रुपये घटकर 10,28,217.93 करोड़ रुपये रह गई। भारती एयरटेल का पूंजीकरण 6,021.64 करोड़ रुपये कम होकर 11,85,046.13 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 5,191.95 करोड़ रुपये घटकर 8,15,480.75 करोड़ रुपये पर आ गया।

तेज प्रताप समेत छात्रों की गिरफ्तारी पर तेजस्वी का सरकार को अल्टीमेटम

बोले- गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया तो बिहारभर में होगा बड़ा आंदोलन

पटना,।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विदेश यात्रा से लौटते ही राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्र आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए मांग की कि गिरफ्तार छात्रों को तत्काल रिहा किया जाए और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं। तेजस्वी यादव ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें तय समय में नहीं मानी गईं तो राजद पूरे बिहार में व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।

पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पटना सहित कई जिलों में छात्र-छात्राओं पर लाठीचार्ज किया गया और बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता। उनके अनुसार, सरकार को संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए था।राजद नेता ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि अगले दिन तक छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस नहीं लिए गए और गिरफ्तार छात्रों को रिहा नहीं किया गया, तो उनकी पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी। तेजप्रताप की गिरफ्तारी को तानाशाही बताया तेजस्वी यादव ने अपने बड़े भाई और राजद नेता तेज प्रताप यादव के खिलाफ दर्ज मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि तेज प्रताप यादव सहित कई विधायकों पर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं, जिसे उन्होंने तानाशाही करार दिया। उनका कहना था कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तेज प्रताप यादव को शनिवार को पटना में छात्र आंदोलन के समर्थन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि, उनके अधिवक्ता का दावा है कि गिरफ्तारी प्रदर्शन स्थल से नहीं, बल्कि एक शॉपिंग मॉल से की गई।

आरबीआई लाएगा प्लास्टिक के नोट, 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स के लिए टेंडर जारी

टिकाऊपन और सुरक्षा की दिशा में नई क्रांति, बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश की मुद्रा प्रणाली में एक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है, जिसके तहत जल्द ही प्लास्टिक (पॉलीमर) के नोट प्रचलन में आ सकते हैं। आरबीआई की सहायक कंपनी, भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) द्वारा लगभग 34 करोड़ पॉलीमर शीट्स खरीदने के लिए जारी किया गया हालिया टेंडर इस ओर स्पष्ट संकेत देता है कि पारंपरिक कागजी नोटों का स्थान भविष्य में प्लास्टिक नोट ले सकते हैं। यह कदम चरणबद्ध तरीके से लागू होगा, जो 2012-13 में कुछ शहरों में परीक्षण की पूर्व योजना के अधूरे रहने के बाद अब साकार होता दिख रहा है। विश्लेषण दुनिया के कई देश पहले से ही प्लास्टिक नोटों का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं और अब भारत भी इस वैश्विक चलन का हिस्सा बनने की तैयारी में है। प्लास्टिक नोटों को अपनाने के पीछे कई ठोस कारण हैं। सबसे प्रमुख लाभ इनका अत्यधिक टिकाऊपन है; ये कागजी नोटों की तुलना में 2 से 6 गुना अधिक चलते हैं, पानी, गंदगी और फटने के प्रति अधिक प्रतिरोधी होते हैं। इससे आरबीआई को नोटों की छपाई, वितरण और नष्ट करने पर होने वाले सालाना हजारों करोड़ रुपये के खर्च में भारी कमी आएगी, क्योंकि बार-बार नए नोट छापने की आवश्यकता नहीं होगी। पिछले दस वर्षों में नोटों की छपाई पर 52 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुका है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि इनकी लंबी उम्र संसाधनों (कागज, स्याही, पानी, ऊर्जा) की खपत कम करती है और पुराने नोटों को आसानी से रीसाइकिल करके अन्य उपयोगी उत्पाद बनाए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी प्लास्टिक नोटों को आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस करना आसान होता है, जिससे इनकी नकल करना बेहद मुश्किल हो जाता है और नकली नोटों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। आम जनता को भी फटे-गंदे नोटों से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि ये नोट लंबे समय तक नए जैसे बने रहेंगे, जिससे उनके उपयोग का अनुभव बेहतर होगा।

हिंदुस्तान जिंक की 5,000 करोड़ के पूंजीगत निवेश की योजना

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपये) का पूंजीगत निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन (25 प्रतिशत) क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं।मिश्रा के अनुसार, खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्संट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि शेष 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा। इसके लिए निवेश चरणबद्ध तरीके से अगले चार से पांच साल में किया जाएगा। इसके तहत कंपनी का औसत वार्षिक पूंजीगत व्यय 7,000-8,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में इस निवेश का केवल 15-20 प्रतिशत ही वास्तविक नकद खर्च के रूप में दिखाई देगा। हालांकि, उन्होंने नई परियोजनाओं की समयसीमा या उनसे संबंधित वित्तीय ब्योरा नहीं दिया।वेदांता लि. की अनुषंगी हिंदुस्तान जिंस देश की प्रमुख जस्ता उत्पादक कंपनियों में से है। यह हाल के वर्षों में परिचालन के मोर्चे पर अपनी क्षमता बढ़ाने और दक्षता सुधारने के लिए लगातार निवेश कर रही है।यह जस्ता, सीसा और चांदी उत्पादन के मामले में अग्रणी कंपनियों में शामिल है। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हिंदुस्तान जिंक में वेदांता लिमिटेड की 60.71 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 27.92 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

तेल-तिलहन बाजार में उठापटक, आयातकों की मजबूरी और त्योहारी मांग का असर

पैसे की दिक्कतों के कारण आयातित तेलों की कीमत गिरी, वहीं घरेलू तेलों में मामूली सुधार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में विपरीत रुझान देखने को मिला। जहां वित्तीय दबाव झेल रहे आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण आयातित खाद्य तेलों (सोयाबीन और पाम-पामोलीन) के दाम में गिरावट आई, वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग ने घरेलू तेलों जैसे सरसों और मूंगफली को मामूली मजबूती दी। बाजार सूत्रों के अनुसार पिछले सप्ताह आयातित तेलों की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण आयातक की वित्तीय दिक्कतें रहीं। ये आयातक अपना माल जल्द खपाकर बैंक ऋण चक्र बनाए रखने के लिए सोयाबीन और पाम-पामोलीन तेल को लागत से भी कम दाम पर बेच रहे हैं। इसी क्रम में सोयाबीन प्लांट मालिक भी किसानों से सस्ते दाम पर सोयाबीन खरीदने की कोशिश में खरीद मूल्य घटा रहे हैं। इससे किसान अपनी आवक कम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पहले बेहतर दाम मिल चुके हैं और अब वे सस्ते में बेचने से बचते हैं। इस दबाव ने भी सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम प्रभावित किए। कमोबेश पाम-पामोलीन का भी यही हाल रहा जिसे आयातक लागत से नीचे बेचते नजर आए। इसके विपरीत आने वाले जन्माष्टमी और रक्षा बंधन जैसे त्योहारों के लिए मिठाई और नमकीन निर्माताओं की निरंतर बढ़ती मांग ने घरेलू तेलों को सहारा दिया। इस वजह से सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन में सुधार देखा गया। नगण्य उपलब्धता के बावजूद औद्योगिक मांग बढ़ने से बिनौला तेल में भी मामूली तेजी दर्ज की गई।सरसों तेल दादरी 75 रुपये के मामूली सुधार के साथ 16,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,705-2,805 रुपये और 2,705-2,855 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुए।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती

निफ्टी 24,000 के नीचे, अब निगाहें कच्चे तेल और तिमाही नतीजों पर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया का बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसने कच्चे तेल की कीमतों को एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचा दिया है। इस महीने अब तक 32 फीसदी महंगा हुआ कच्चा तेल भारत के लिए आयात बिल और महंगाई बढ़ाने की चिंता पैदा कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 4.7 फीसदी के बहु-वर्षीय उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिससे वैश्विक निवेशक जोखिम भरे उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित जगहों की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है, जो अपने सर्वकालिक निचले स्तर के करीब पहुंच रहा है। तकनीकी रूप से बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, निफ्टी का ढांचा कमजोर हुआ है। इसके लिए तत्काल सपोर्ट 23,600 के स्तर पर है, जिसके टूटने पर बिकवाली तेज होकर 23,300 तक जा सकती है। ऊपर की तरफ 24,000 का स्तर एक बड़ी रुकावट बना हुआ है, और जब तक यह पार नहीं होता, हर तेजी पर बिकवाली की रणनीति ही उचित रहेगी।

रेलवे की पहल से सशक्त होंगे दलित और आदिवासी उद्यमी

वेंडर डेवलपमेंट मीट में स्थानीय विनिर्माण, सरकारी योजनाओं और रेलवे में कारोबार के अवसरों पर विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

अहमदाबाद

7 आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत (2047) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, अहमदाबाद मंडल के सामग्री प्रबंधन विभाग ने दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के सहयोग से एक वेंडर डेवलपमेंट मीट कासफल आयोजन किया।

यह आयोजन समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और नीति निर्माताओं एवं छोटे व्यवसायियों के बीच की दूरी को कम करने के लिए एक रणनीतिक मंच साबित हुआ।

इस मीट का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के प्रथम पीढ़ी के उद्यमियों को भारतीय रेलवे में उपलब्ध विशाल खरीद और व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूक करना था।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से एससी/एसटी पृष्ठभूमि के कुल 55 उद्यमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रमुख गणमान्य और अधिकारियों की उपस्थितिकार्यक्रम में कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें शामिल हैंःविहार ठाकर (वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, अहमदाबाद)स्वयंदीप सिंह (उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, साबरमती)नीरज कुमार (अध्यक्ष, डीआईसीसीआई गुजरात चैप्टर)उमेश शर्मा (सहायक निदेशक, एमएसएमई-डीएफओ)डॉ. मुंजाल दवे (महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र, अहमदाबाद)भूमिका पटेल (जीईएम बिजनेस एसोसिएट, गुजरात)इन अधिकारियों की उपस्थिति से प्रतिभागियों को सीधे बहु-विभागीय मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।

उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।

सहवाग बोले- सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में

निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्त्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन
महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, एजेंसी।भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

मिस्त्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्त्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही। अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही। अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं। वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई ! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5ः30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाई, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ

14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम जलार्पण को लेकर नए फुट ओवरब्रिज का हुआ सफल परीक्षण

बिभा संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के शुभारंभ से पूर्व रविवार को बाबा बैद्यनाथ में मंदिर आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं की सुलभ, सुरक्षित और सुगम जलार्पण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस कड़ी में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर की गरिमामयी उपस्थिति में पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवनिर्मित फुट

ओवरब्रिज का सफल परीक्षण किया गया। इस दौरान मौके पर उप विकास आयुक्त श्री पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुश्री सुलोचना मीना, अनुमंडल पदाधिकारी सह बाबा मंदिर प्रभारी श्री रवि कुमार उपस्थित थे।

मौके पर उपस्थित उपायुक्त श्री सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि जिला प्रशासन अपना सर्वोत्तम सेवा भाव के साथ बाबाधाम आने वाले हर एक तीर्थयात्री की सुरक्षा और सुविधा को लेकर निरंतर प्रयासरत है। श्रावणी मेला और आम दिनों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए कतार प्रबंधन को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है। यह नया फुट ओवरब्रिज श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के सुरक्षित तरीके से मंदिर प्रांगण तक पहुँचने में मदद करेगा, जिससे जाम और भगदड़ जैसी स्थितियों से पूरी तरह निजात मिलेगी। आगे पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण पुष्कर ने सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से इस ओवरब्रिज को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नए फुट ओवरब्रिज के चालू होने से सुरक्षा बलों को कतार नियंत्रित करने में सहूलियत होगी। भीड़ का दबाव कम होने से असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और हर श्रद्धालु कतारबद्ध होकर शांतिपूर्ण ढंग से बाबा का दर्शन कर सकेगा।

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष, महामंत्री, स्थानीय पुरोहित समाज के गणमान्य लोग, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ट्रैफिक डीएसपी, जिला खेल पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी व संबंधित अधिकारी व अभियंता उपस्थित थे।

पलामू में डेढ़ करोड़ के गांजा के साथ चालक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

पलामू। पलामू पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में करीब 320 किलोग्राम गांजा से लदा एक ट्रक जब्त किया है। इस संबंध में पुलिस ने रविवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी दी।

बरामद गांजे की खुदरा बाजार में अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में मामला अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़ा सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक कपील चौधरी को 25 जुलाई की रात गुप्त सूचना मिली थी कि यूपी-14 एफटी-6583 नंबर का एक ट्रक बिहार की ओर से जपला होते हुए छतरपुर की तरफ भारी मात्रा में अवैध गांजा लेकर जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिव्यांशु शुक्ल के नेतृत्व में हुसैनाबाद थाना पुलिस और सशस्त्र बल की विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया।

इसके बाद जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग पर गम्हरिया के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में ट्रक के डाले के अंदर विशेष रूप से तैयार किए गए लकड़ी के गुप्त चैंबर से प्लास्टिक के 10 बोरों में छिपाकर रखा गया 320 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके पर ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर बरामद सामग्री के गांजा होने की पुष्टि हुई।

संक्षिप्त खबरें

लोयंकेल देवी मंडप और मंडा मंदिर में हुए तोड़ फोड़ से हिंदू समुदाय नाराज

खूँटी (बिभा)। जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत पंचायत क्षेत्र के लोयंकेल गांव स्थित मंडा मंदिर और देवी मंडप मंदिर में शनिवार की रात्रि को तोड़फोड़ की घटना हुई जिसकी जानकारी रविवार की सुबह लोगों को हुई और लोग घटना के बाद किसी नारे लिखे।

बताया गया कि जिसमें देवी मंडप के दीवार में लगा टाईल्स और भगवान का लगा फोटो को तोड़ा गया और मण्डा मंदिर के सभी लाईट का तार को तोड़कर बर्बाद कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की सुबह पुजारी ब्राह्मण उक्त मंदिर में पूजा के लिए गये तो देखा कि दोनों मंदिर में तोड़ फोड़ और छेड़छाड़ किया गया है। तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों को दिया गया जब ग्रामीणों ने मंदिर परिसर पहुँचे और देखा तो मंदिर के अंदर तोड़फोड़ किया गया है। जिसकी जानकारी कर्रा थाना पुलिस को दिया गया। मौके पर, कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार ने स्वयं मंदिर परिसर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया और कहा जो भी हो इसमें संलिप्त हैं छोड़ा नहीं जाएगा। इधर, इस घटना के बाद हिंदू समुदाय के लोगों ने कहा कि हमलोगों के आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया है। वहीं घटना से लोगों में आक्रोश है।

रौनियार वैश्य समाज के स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों मरीजों का नि:शुल्क उपचार

खूँटी(बिभा)। मुरहू प्रखंड स्थित रौनियार धर्मशाला में रविवार को स्थानीय रौनियार वैश्य समाज की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रांची के आइरीश अस्पताल तथा अंकुरम फर्टिलिटी एंड टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सैकड़ों लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उपचार किया। शिविर में विशेष रूप से नेत्र एवं स्त्री रोग संबंधी जांच की गई। नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक उपचार एवं उचित देखभाल संबंधी सलाह दी। वहीं क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्त्री रोग संबंधी समस्याओं पर परामर्श लिया और आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम में रांची के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार सहित चिकित्सकों की टीम ने पूरे समय उपस्थित रहकर लोगों की सेवा की। शिविर के सफल आयोजन में रौनियार वैश्य समाज के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग निभाया। इस अवसर पर मुरहू के उप प्रमुख अरुण साबू, अशोक गुप्ता, बबलू गुप्ता, भोला साव, सुरेश प्रसाद, अनिल गुप्ता सहित रौनियार वैश्य समाज के कई सदस्य उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत, चालक वाहन सहित फरार

खूँटी(बिभा)। जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत अड़की-हेमरोम के बीच खूँटी-तमाड़ मुख्य सड़क पर रविवार शाम एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 45 वर्षीय कुंवारी देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुंवारी देवी हेमरोम के साप्ताहिक हाट से सब्जी खरीदकर पैदल अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान चर्च के समीप पीछे से तेज गति से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अड़की थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर थाना लाया, जिसके बाद सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुट गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

खूँटी जिला स्वर्णकार संघ की नई कार्यकारिणी का गठन, प्रशांत लाल बने अध्यक्ष

खूँटी(बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र के डाक-बंगला रोड स्थित राजस्थान भवन में रविवार को खूँटी जिला स्वर्णकार संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रशांत लाल को संघ का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा देवेंद्र प्रसाद सोनी को उपाध्यक्ष, बाबू सोनी को महामंत्री, मनोज लाल को मंत्री तथा संतोष लाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं पंचम कुमार को सह-कोषाध्यक्ष तथा सुनील सोनी और केवल लाल को मीडिया प्रभारी बनाया गया। संघ के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से अन्य सदस्यों को भी विभिन्न दायित्व दिए गए। संगठन मंत्री के रूप में सुमित लाल, मुकेश कुमार, पंकज लाल, जगदीश प्रसाद, रुपेश सोनी, विश्वजीत लाल, राजू लाल, दिनेश लाल और धीरज लाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में नवगठित समिति के सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने, स्वर्णकार समाज के हितों की रक्षा करने तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

करोड़ों की लागत से बना मुरहू का बहुद्देशीय भवन हुआ उद्देश्य विहीन

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत जिला परिषद से करोड़ों की लागत से बना बहुद्देशीय भवन का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण उक्त परिसर अब साँप बिच्छुओं का डेरा बन गया है। जहाँ झाड़ियों से भर गया है। मुरहू प्रखंड उपप्रमुख अरुण साबू ने बताया कि बहुद्देशीय भवन का निर्माण कराने का उद्देश्य था कि कोई भी शादी विवाह, बैठक , सार्वजनिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाना था। लेकिन विगत वर्षों से इसका जनहित में उपयोग नहीं होने से योजना का सीधा लाभ जनता उठा पाने से वंचित हो गए हैं। उक्त बहुद्देशीय भवन करोड़ों की लागत से जिला परिषद द्वारा निर्माण कराया गया था। लेकिन उक्त भवन में न तो बिजली दुरुस्त है और न ही पानी की व्यवस्था है। भवन में हॉल है

और एक कमरा मात्र है। ऐसे में शादी विवाह के लिए पर्याप्त व्यवस्था दिया गया है। ऐसे में कोई भी कैसे अपने वैवाहिक कार्यक्रम को अच्छी तरह से आयोजित करेगा। कार्यक्रम में पाँच सौ से डेढ़ हजार लोग तक आते हैं। ऐसे में पर्याप्त स्नानागार व शौचालय का होना आवश्यक है। दो से तीन दिन का कार्यक्रम शादी विवाह में होता है। तो मेहमान को ठहराने के लिए पर्याप्त जगह का अभाव है। वहीं बगल में दो तल्ला भवन है लेकिन उसमें एक व्यक्ति अपना कोचिंग सेंटर चलाता है। सरकार का योजना सार्वजनिक हित के लिए होता है न कि व्यक्तिगत व्यवसाय के लिये। इस कारण लोग उँचे किराये में व्यवस्था विहीन स्थल को लेना समस्या जनित हो जाता है। प्रशासन को चाहिए था कि जो भी व्यक्ति इसे टेंडर में लिया है वह सुलभ समुचित व्यवस्था देकर जनहित में लोगों के लिए उपयोगी बनाकर रखें। ताकि सरकार के द्वारा करोड़ों की लागत से बना बहुद्देशीय भवन न कूलर खंडहर बनेगा बल्कि करोड़ों की योजना का उद्देश्य फलीभूत नहीं होगा।

राजकीय श्रावणी मेला के लिए खूँटी से 130 जवान 32 पदा. देवघर के लिए रवाना

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर खूँटी जिला प्रशासन तैयारी कर ली है। जहां एक ओर खूंटी जिला अंतर्गत बाबा आम्रेश्वर धाम में एक माह पुलिस प्रशासन का प्रमुख भूमिका रहती है। वहीं खूंटी से राजकीय श्रावणी मेला में सुरक्षा सहयोग सेवा देने के लिए भी अपनी भूमिका निभाती रही है। वहीं उक्त राजकीय श्रावणी मेला के लिए एसपी ऋषभ गर्ग ने जिले से 130 जवान और 32 पदाधिकारियों को रवाना किये। जिसमें कुल 10 महिला बल भी शामिल हैं। जो वहां जानेवाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सहयोग करेंगे। खूंटी जिला पुलिस प्रशासन के लिए बड़ी बात हो जाती है कि बाबा धाम देवघर के अलावे झारखण्ड में भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी बाबा आम्रेश्वर धाम में भी पुलिस प्रशासन सेवा देते हैं। इस बार एसपी ऋषभ गर्ग की अगुवाई में बाबा आम्रेश्वर धाम में पुलिस बल लगाए जाएंगे। वहीं जिले में एक माह तक पुलिस प्रशासन के लिए कार्य के लिए बलों का विभाजन से अधिक बोझ बढ़ जाता है।

इधर , बाबा आम्रेश्वर धाम में भी श्रावणी मेला की तैयारी प्रबंध समिति की अगुवाई में तेजी से किया जा रहा है। इस दौरान बाबा आम्रेश्वर धाम में रंग-रोगन व साफ सफाई शुरू हो गया है बिजली व्यवस्था साउण्ड, पानी आदि सहित सारे क्षेत्रों में कार्य तेजगति से किया जा रहा है। वहीं सुरक्षा को लेकर तैयारी की जा रही है। बाबा आम्रेश्वर धाम के महामंत्री मनोज कुमार ने बताया कि प्रबंध समिति के अलावे श्रावणी मेला के लिए उपसमिति का निर्माण किया गया है। वहीं स्वयंसेवकों का भी सेवा सूची तैयार कर लिया गया है। जिसमें गर्भगृह, मेला ड्यूटी, गर्भगृह और नदी में भी वोलेंटियर लगाए जाते हैं। जिसकी सूची तैयार कर लिया गया है।

वहीं आगामी 30 जुलाई से पवित्र श्रावण माह शुरू होगा । जिसके लिए सभी को इसका इंतिजार है।

सैनिकों के अदम्य साहस एवं बलिदान की तुलना किसी और कार्य से नहीं हो सकती : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ शहर के बिजुलिया तालाब रोड स्थित अशेश्वर सिंह ब्रह्मर्षि धर्मशाला में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वाधान में कारगिल विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी ऋतुराज,कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ विवेक सिंह एवं विंग कमांडर संजीव शर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही अतिथियों ने शहीद जवानों को अमर जवान ज्योति पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किया एवं मां भारती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

इस मौके पर डीसी ऋतुराज ने कहा कि सैनिकों के अदम्य साहस एवं बलिदान की तुलना किसी और कार्य से नहीं हो सकती, इनकी शहादत के बदौलत ही आज भारतवर्ष का प्रत्येक नागरिक अपना सीना गौरव से ऊंचा करके रहता है। कार्यक्रम का अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रांतीय संगठन मंत्री रंजन फौजी रामगढ़ जिला के पूर्व महासचिव राम टहल महतो ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान ममता सिंह के नेतृत्व में आकर्षक झांकी प्रस्तुत किया गया एनसीसी कैडेट्स ने मार्चिंग पास किया। जबकि,एसबीएम पब्लिक स्कूल भुरकुंडा के बच्चों ने भी काफी आकर्षक प्रस्तुति पेश किया। इसके अलावा इंडिविजुअल परफॉर्मेंस में भी अनेक कलाकारों ने अपना कल का प्रदर्शन किया। राहुल महतो पवन पॉप और लाइन पॉप ने व्यक्तिगत आकर्षक कला प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर चतुर्भुज कश्यप,जीवन प्रजापति सेवा मेडल,वीर नारी सुनीता सिंह आदि को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरपी सिंह, विजय सिंह,उज्जवल महतो, अजय मिश्रा,रंजीत कुमार,अनिल कुमार, आनंद रावत,सरवन सिंह, अजय तिवारी, संतोष कुमार,राजेंद्र शर्मा,अखिलेश्वर सिंह,रविंद्र कुमार, राजेश कुमार,संजय शर्मा, गोपाल यादव,शिव शंकर यादव,त्रिभुवन प्रसाद,अजय प्रसाद कुशवाहा, शत्रुघ्न प्रसाद,लाल प्रसाद यादव,एसपी यादव,विवेक विश्वकर्मा,इंद्रनाथ महतो, तीर्थनाथ महतो,अनिल कुमार उरांव,चंद्रिका महतो,खिरोधर महतो,संजय कुमार शर्मा,राजेंद्र राणा,संतोष सिंह,सुशील कुमार शर्मा,महेंद्र महतो,मेघनाथ सिंह, आशीष कुमार दास,अरविंद सिंह,अजय सोनी,राकेश कुमार आदि उपस्थित थे।

विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर में 517 लाभुकों के बीच 3.49 करोड़ की परिसंपत्तियों का वितरण

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) एवं झालसा, रांची के निर्देश पर रविवार को खूँटी जिले के सभी प्रखंडों में न्यायिक पदाधिकारियों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उनके निकटवर्ती प्रखंड कार्यालयों में ही उपलब्ध कराना था। शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों एवं योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित शिविर में कुल 517 लाभुकों ने भाग लिया, जबकि 3,49,95,490 (तीन

करोड़ 49 लाख 95 हजार 490 रुपये) की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

खूँटी प्रखंड में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष रशिकेश कुमार, एलएडीसी-1 अमरदीप कुमार, अधिवक्ता रविंद्र कुमार मिश्रा तथा जिला जज तृतीय प्राची मिश्रा सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं तोरपा, अड़की, कर्रा और रनिया प्रखंडों में भी संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों की मौजूदगी में शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सभी प्रखंडों के पदाधिकारी, कर्मी, महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं, लाभार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में रोलिंग ब्लॉक कार्यक्रम के कारण ट्रेनों का विनियमन

बिहान भारत

आसनसोल: दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में 27.07.2026 से 02.08.2026 तक एक सप्ताह के लिए संयुक्त रोलिंग ब्लॉक कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित रेल सेवाओं का विनियमन किया जाएगाः

ट्रेनों का निरस्तीकरणः

68046/68045 आसनसोल-आद्रा-आसनसोल मेमू पैसेंजर (27.07.2026, 30.07.2026, 31.07.2026 एवं 02.08.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ)।

63594/63593 आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल मेमू पैसेंजर (27.07.2026 एवं 30.07.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ)।

68056 टाटानगर-आसनसोल मेमू पैसेंजर (28.07.2026, 29.07.2026, 01.08.2026 एवं 02.08.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ)।

ट्रेनों का आंशिक समापन/आंशिक प्रारंभः

68056/68060 टाटानगर-आसनसोल-बराभूम मेमू पैसेंजर (31.07.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्रा) का आंशिक समापन आद्रा में तथा आंशिक प्रारंभ आद्रा से किया जाएगा। आद्रा एवं आसनसोल के बीच यह सेवा निरस्त रहेगी।

63594/63593 आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल मेमू पैसेंजर (29.07.2026 एवं 01.08.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ) का आंशिक समापन आद्रा में तथा आंशिक प्रारंभ आद्रा से किया जाएगा। आद्रा एवं पुरुलिया के बीच यह सेवा निरस्त रहेगी।

68055/68056 आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल मेमू पैसेंजर (30.07.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्रा) का आंशिक समापन आद्रा में तथा आंशिक प्रारंभ आद्रा से किया जाएगा। टाटानगर एवं आद्रा के बीच यह सेवा निरस्त रहेगी।

68060 आसनसोल-बराभूम मेमू पैसेंजर (28.07.2026, 29.07.2026, 01.08.2026 एवं 02.08.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ) का आंशिक प्रारंभ आद्रा से किया जाएगा। आद्रा एवं आसनसोल के बीच यह सेवा निरस्त रहेगी।

68055 आसनसोल-टाटानगर मेमू पैसेंजर (28.07.2026, 29.07.2026, 01.08.2026 एवं 02.08.2026 को प्रारंभ होने वाली यात्राएँ) का आंशिक समापन आद्रा में किया जाएगा। आद्रा एवं टाटानगर के बीच यह सेवा निरस्त रहेगी।

करंट लगने से एक महिला की मौत, दो गंभीर

बिभा संवाददाता

पलामू। पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के दुलसुलमा गांव में रविवार सुबह बिजली पोल के सपोर्ट वायर से एक युवक को जोरदार करंट लगा। उसे बचाने में उसकी मां की मौत हो गई, जबकि भाभी जीवन और मौत के बीच झूल रही है। युवक की भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। दोनों को इलाज के लिए नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा में भर्ती कराया गया है। दोनों का आईसीयू में इलाज चल रहा है।

मृतक महिला की पहचान दुलसुलमा गांव निवासी धर्मदेव सिंह की पत्नी 50 वर्षीय मीना देवी के रूप में हुई है, जबकि जख्मी में पुत्र भीम कुमार सिंह और बहू मुन्नी देवी पति महेंद्र सिंह शामिल हैं।

परिजनों के अनुसार मीना देवी और उसके परिवार के सदस्यों ने धान की फसल लगाने के लिए खेत तैयार की थी। रविवार सुबह मीना देवी के अलावा उनके बेटे भीम कुमार सिंह और बहू मुन्नी देवी धान रोपने के लिए खेत देखने गए थे। भीम कुमार सिंह बिजली के सपोर्ट वायर को पड़कर खेत में उतर रहे थे, इसी क्रम में उन्हें जोरदार करंट लगा। मां मीना और भाभी मुन्नी दोनों उसे बचाने लगे। इस कारण तीनों बिजली करंट की चपेट में आ गए। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाकर उन्हें करंट से अलग किया और इलाज के लिए नवजीवन अस्पताल तुंबागड़ा में ले गए। यहां मीना देवी को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बेटे और बहू का इलाज शुरू किया गया। मुखिया ब्रह्मदेव सिंह और पंचायत समिति सदस्य जगदीश सिंह ने घटना की जानकारी दी, जबकि इलाज के लिए ले जाने में चतरा सांसद प्रतिनिधि धीरज कुमार, विजय पाठक, मनोज कुमार सिंह, मुकेश प्रजापति, जगदीश सिंह, अशोक मिस्त्री, लाल सिंह, वकील सिंह ने मदद की।

डॉक्टर मर्लिन ने बताया कि भीम का हार्ट बीट काफी बढ़ा हुआ है। वह बेहोश है। उसकी भाभी की भी हालत खराब है। शुरूआत में इलाज के समय भीम काफी तड़प रहा था। चार-पांच लोग उसे काबू में नहीं कर पा रहे थे। दोनों का इलाज किया जा रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com